हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 251, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 14 मार्च, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

मुख्तार अंसारी को फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में आजीवन कारावास की सजा

विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) की अदालत ने सुनाई सजा

वाराणसी। माफिया मुख्तार अंसारी को 33 वर्ष 3 महीने 9 दिन पुराने गाजीपुर के फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मामले में उस पर दो लाख दो हजार का जुमार्ना लगा है। माफिया मुख्तार की सजा को लेकर 54 पेज का फैसला आया है। फैसले के दौरान सफेद टोपी और सदरी पहने मुख्तार मुंह लटकाए वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से पेश हुआ। बांदा जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा अंतरराज्यीय गिरोह (आईएस-191) का सरगना और माफिया मुख्तार को आठवीं बार सजा हुई है।

ये हुई सजा

आईपीसी 467/120 बी में उम्रकैद व एक लाख जुमार्ना।

420/120 बी में 7 वर्ष सजा व 50 हजार जुमार्ना।

468/120 बी में 7 वर्ष की सजा व 50 हजार जुमार्ना।

आर्म्स एक्ट में 6 माह सजा व दो हजार जुमार्ना।

विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत ने बुधवार को मुख्तार अंसारी को सजा सुनाई। इस दौरान मुख्तार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया। इसी अदालत ने ही 5 जून 2023 को अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मुख्तार को अब तक सात मामलों में सजा मिल चुकी है। आठवें मामले में दोषी करार दिया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मुख्तार अंसारी ने 10 जून 1987 को दोनाली बंदूक के लाइसेंस के लिए गाजीपुर के जिलाधिकारी के यहां प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप था कि गाजीपुर के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के फर्जी हस्ताक्षर से संस्तुति प्राप्त कर उसने शस्त्र लाइसेंस प्राप्त किया था। फजीर्वाड़ा उजागर होने के बाद सीबीसीआईडी ने 4 दिसंबर 1990 को गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुख्तार अंसारी, तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर समेत पांच नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जांच के बाद तत्कालीन आयुध लिपिक गौरीशंकर श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी के विरुद्ध 1997 में आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया था। सुनवाई के दौरान गौरीशंकर श्रीवास्तव की मृत्यु हो जाने के कारण उसके विरुद्ध 18 अगस्त 2021 को मुकदमा समाप्त कर दिया गया। अदालत में अभियोजन की ओर से एडीजीसी विनय कुमार सिंह और अभियोजन अधिकारी उदय राज शुक्ला ने पक्ष रखा।

इन धाराओं के तहत हुई सजा- माफिया मुख्तार अंसारी को अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 यानी धोखाधड़ी, 467 यानी बहुमूल्य सुरक्षा, वसीयत आदि की जालसाजी और 468 यानी ठगी के मकसद से जालसाजी का दोषी पाया गया, जिसमें सजा सुनाई गई है। भारतीय दंड संहिता की इन धाराओं के तहत अधिकतम दस साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा मुख्तार अंसारी को आयुध अधिनियम की धारा 30 के तहत दोषी पाया गया है। इसके तहत अधिकतम छह माह की सजा या जुमार्ना या दोनों से दंडित करने का प्रावधान है।

यूसीसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी, अब नियमावली बनते ही उत्तराखंड में हो जाएगा लागू

देहरादून। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। अब नियमावली बनने के बाद इसे राज्य में लागू कर दिया जाएगा। यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी की पुष्टि सचिव गृह शैलेश बगोली ने दी। राज्यपाल ने यूसीसी विधेयक राष्ट्रपति को भेजा था। राजभवन ने इस पर विचार करने के बाद विधायी विभाग को भेजा था। विधायी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया है। चूंकि यह संविधान की समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए बिल अनुमोदन के लिए राज्यपाल से राष्ट्रपति को भेजा गया था। उत्तराखंड विधानसभा से यूसीसी बिल पास होने के बाद इसे राजभवन भेजा गया था। इस पर राष्ट्रपति भवन को फैसला लेना था। अब राष्ट्रपति से मुहर लगने के बाद यूसीसी राज्य में कानून लागू हो जाएगा। आजादी के बाद देश का पहला समान नागरिक संहिता विधेयक उत्तराखंड 2024 विधानसभा में पास हो गया था। विधानसभा सदन में विधेयक ध्वनिमत से पास हुआ था।

हमने चीनी उत्पादों को मार्केट से दूर कर दिया है, एमएसएमई में रोजगार की अपार संभावना : योगी

लखनऊ। चीन के उत्पादों को हमने अपने मार्केट से बहुत दूर कर दिया है। यही हमारे एमएसएमई यूनिट्स की ताकत का परिणाम है। इससे बड़ा राष्ट्रवाद क्या हो सकता है, अगर हमारे घर का उत्पाद मार्केट में छा रहा है तो हमें भी उसे प्रोत्साहित करना होगा, प्रेरित करके प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना होगा। ये कितनी खुशी की बात है कि हमारा उत्पाद मार्केट में छा रहा है और दुश्मन देश का उत्पाद मार्केट से दूर होता जा रहा है। आज दीपावली, विजयदशमी, ईद और क्रिसमस पर यूपी के उत्पाद ही मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। हमारा उत्पाद अच्छा तो होता ही है, साथ ही हमारे उद्यमियों और कारीगरों को भी लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही।

इस दौरान उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के लिए ?30,826 करोड़ का मेगा ऋण वितरण किया। साथ ही उन्नाव में स्वीकृत प्लेज पार्क के विकासकताओं को सीएम योगी ने चेक वितरित किया। वहीं उन्होंने औद्योगिक आस्थानों में भूखंडों के आवंटन के लिए ऑनलाइन पोर्टल का भी शुभारंभ किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर ओडीओपी एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टूलकिट वितरित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एमएसएमई विभाग को मार्केट की संपूर्ण मैपिंग कराते हुए डिमांड के अनुसार प्रोडक्ट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देना होगा। इसके साथ ही प्रोडक्ट की पैकेजिंग पर भी खास ध्यान देना होगा। अगर हमने ये काम कर लिया तो प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को पूरे देश में छाने में बहुत देर नहीं लगेगी। उन्होने एमएसएमई उद्यमियों से भी अपील की कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के साथ तेजी से जुड़ें, जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम से जुड़े उद्यमियों की ट्रेनिंग की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के समापन के पहले एमएसएमई विभाग की ओर से लोन वितरण के विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं। सीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष वितरित की गई राशि गत वर्ष की तुलना में दोगुना और बीते सात साल की अपेक्षा 10 गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह प्रगति यूपी के आर्थिक उन्नयन को तो प्रदर्शित करता ही है साथ ही युवाओं को रोजगार भी प्रदान कर रहा है। सीएम योगी ने बताया कि प्लेज पार्क से प्रदेश के 10 जनपद जुड़ चुके हैं। उन्नाव में बन रहे प्रदेश के 11वें प्लेज पार्क के लिए आज चेक वितरित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई विभाग पिछले सात साल में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के उद्यमियों के लिए नई आशा की किरण बनकर उभरा है। अपने अभिनव प्रयोग ओर नवाचार के कारण पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में तेजी से आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। इसे लेकर बनी पुरानी धारणा को हमने अपने सामर्थ्य से बदला है।

'रूस की संप्रभुता और स्वतंत्रता को खतरा हुआ तो करेंगे परमाणु हथियार का इस्तेमाल', पुतिन की चेतावनी

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ पश्चिमी देशों को चेतावनी दी है कि अगर रूस की संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरा पैदा हुआ तो वह परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की मदद से ही यूक्रेन, रूस पर हमलावर हो रहा है। एक साझात्कार के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका किसी भी तनावपूर्ण स्थिति, जिससे परमाणु युद्ध शुरू हो सकता है, को बढ़ने से रोकने कि कोशिश करेगा। लेकिन रूस का परमाणु बल इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमार पर विचार करने के सवाल पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यहां उसकी (परमाणु हथियारों) जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मॉस्को यूक्रेन में अपने मकसद को पूरा करेगा। पुतिन ने बताया कि उन्होंने बातचीत के लिए हमेशा दरवाजा खुला रखा है। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देशों के साथ किसी भी समझौते के लिए पक्की गारंटी की आवश्यकता होगी।

हाल ही में पुतिन ने पश्चिमी देशों को धमकाते हुए कहा था कि हमारे पास ऐसे हथियार हैं, जो उनके इलाकों को भी भेद सकते हैं। दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब परमाणु संघर्ष की तरफ बढ़ रहा है। हालांकि, एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पीएम मोदी और कई वैश्विक नेताओं की सक्रियता के कारण परमाणु युद्ध को टाला जा सका। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के प्रशासन में शामिल दो शीर्ष अधिकारियों के हवाले से आई सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों का टकराव रोकने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। इस रिपोर्ट का दावा है कि पीएम मोदी और कई अन्य वैश्विक नेताओं की सक्रियता के कारण रूसी सेना और पुतिन को समझाने में कामयाबी मिली। इसके बाद ही यूक्रेन पर परमाणु हमला टाला जा सका।

पटना के सिविल कोर्ट में धमाका, एक की मौत दो गंभीर, ट्रांसफार्मर फटने से मची अफरातफरी

पटना। पटना व्यवहार न्यायालय परिसर में गेट नंबर एक के पास ट्रांसफॉमर ब्लास्ट हुआ है। हादसे दुकानदार और वकील समेत चार लोग झुलस गए। इसमें वकील देवेंद्र प्रसाद की मौत हो गई। घटना के बाद अशोक राजपथ में हड़कंप मच गया। फौरान पीरबहोर थाना पुलिस और कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों ने सभी को पीएमसीएम में सभी करवाया। इसमें से एक की मौत हो गई। इधर, सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद ट्रांसफॉर्मर में लगी आग पर काबू पाया। इधर, घटना के बाद अधिवक्ताओं ने सिविल कोर्ट गेट पर जमकर हंगामा शुरू कर दिया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यहां सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है। लोगों का कहना है कि गेट नंबर के पास एक बड़े ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से विस्फोट हो गया। भीषण विस्फोट में ट्रांसफार्मर का खौलता तेल दूर तक जा गिरा। खौलते तेल की जद में वहां मौजूद वकील और दुकानदार समेत चार लोग आ गए। वकील देवेंद्र प्रसाद के पास जब तक लोग पहुंचते तब तक उनकी मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों को फौरन अस्पातल में भर्ती करवाया गया। हादसे के बाद अशोक राजपथ में जाम लग गया। काफी देर तक अफरातफरी की स्थिति मची गई है।

इधर, घटना से आक्रोशित वकील कोर्ट परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं। वह हंगामा कर रहे हैं। उनका कहना है सुरक्षा ऑडिट कई सालों से नहीं हुआ है। ट्रांसफरमर बहुत पुराना था, राजधानी के जिला न्यायालय में मुलभुत सुबिधाओं का बहुत आभाव है। इस कारण मजबूर होकर वकीलों जहां-तहां बैठना पडता है। वकील पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

खरगे ने 'नारी न्याय गारंटी' की घोषणा की, गरीब महिलाओं को एक लाख रुपये, नौकरी में 50% आरक्षण का वादा

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'पार्टी आज 'नारी न्याय गारंटी' की घोषणा कर रही है। 'नारी न्याय गारंटी' के तहत कांग्रेस 5 घोषणाएं कर रही है। उन्होंने गारंटियों के नाम भी गिनाए। पहला वादा- महालक्ष्मी गारंटी के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा आधी आबादी पूरा हक, शक्ति का सम्मान, अधिकार मैत्री और सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी का एलान भी किया गया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस की महालक्ष्मी गारंटी के तहत हर गरीब परिवार की एक-एक महिला को सालाना एक लाख रुपये की मदद दी जाएगी। दूसरी घोषणा- आधी आबादी पूरा हक के तहत केंद्र सरकार के स्तर पर होने वाली नई भर्तियों में आधे से ज्यादा पदों पर महिलाओं का अधिकार होगा। तीसरी गारंटी- शक्ति का सम्मान के तहत आंगनवाड़ी, आशा और मध्याह्न भोजन कार्यकताओं की मासिक आय में केंद्र सरकार का योगदान दोगुना किया जाएगा। चौथी गारंटी- अधिकार मैत्री है। कांग्रेस इसके तहत महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेगी। हर पंचायत में एक

पैरालीगल नियुक्त किया जाएगा। उनके अधिकारों की रक्षा के अलावा महिलाओं की मदद भी की जाएगी। कांग्रेस ने जिस पांचवीं गारंटी का जिक्र किया है, इसमें शिक्षा पर फोकस करने का वादा किया गया है। सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी के तहत भारत सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए जिला मुख्यालयों पर कम से कम एक छात्रावास बनाएगी। देश भर में इन छात्रावासों की संख्या दोगुनी करने का वादा भी किया गया है। गौरतलब है कि मंगलवार को कांग्रेस प्रमुख खरगे ने आदिवासियों से जुड़े छह संकल्पों की घोषणा की थी। खरगे ने कहा था कि उनकी पार्टी जल-जंगल और जमीन को बचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने आदिवासी लोगों के लिए कांग्रेस पार्टी के छह संकल्पों का भी जिक्र किया। सुशासन, सुधार, सुरक्षा, स्वशासन, स्वाभिमान और सब प्लान के रूप में पार्टी के संकल्पों का ब्यौरा भी पेश किया। खरगे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर हैशटैग आदिवासी संकल्प का भी जिक्र किया।

अधीर रंजन चौधरी का कानून मंत्रालय को पत्र, चुने गए चुनाव आयुक्त के उम्मीदवारों के बारे में मांगी जानकारी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग में दो नए आयुक्तों की नियुक्ति जल्द हो सकती है। प्रधानमंत्री की अगुआई में चयन समिति की बैठक 15 मार्च को ही बुलाई गई है। माना जा रहा है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के बाद ही लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान होगा। यानी चुनावी कार्यक्रमों की घोषणा के लिए पांच छह दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि समिति की बैठक से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कानून मंत्रालय को पत्र लिखकर सूची में शामिल किए गए उम्मीदवारों के दस्तावेजों और उनके बारे में जानकारी मांगी है। विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि को लिखे पत्र में चौधरी ने उनसे चुनाव आयुक्त पद के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के बारे में उनके बायोडाटा के साथ जानकारी भेजने को कहा है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित समिति में शामिल कांग्रेस नेता ने कानून मंत्रालय के अधिकारियों से केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) की नियुक्ति और सूचना आयुक्तों समेत अन्य शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया का पालन करने को कहा है। बता दें, अधीर रंजन चौधरी सीआईसी और सीवीसी के चयन के लिए पीएम के नेतृत्व वाली समितियों के सदस्य भी हैं। कांग्रेस नेता ने कानून मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा, 'मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि बैठक से पहले चुनाव आयुक्तों के पद के लिए चुने गए उम्मीदवारों के बायोडाटा सहित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराएं।' बताया जा रहा है कि दो चुनाव आयुक्तों का चयन करने के लिए उच्चाधिकार प्राप्त पैनल की बैठक 14 मार्च को दोपहर 12 बजे होगी। ये समिति निर्वाचन आयुक्त के लिए सर्वसम्मति या बहुमत के आधार पर दो नाम तय करेगी। दोनों नाम राष्ट्रपति के पास भेजे जाएंगे। फिर राष्ट्रपति आधिकारिक तौर पर उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी करेंगे। इससे पहले अनूप चंद्र पांडेय की सेवानिवृत्ति और फिर अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग में केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ही बचे हैं।

कांग्रेस को बड़ा झटका, अब राहुल गांधी के करीबी राष्ट्रीय सचिव ने छोड़ा 'हाथ' का साथ, भाजपा का थामा दामन

कानपुर। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और बिहार के सह प्रभारी ने हाथ का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने दिल्ली में भाजपा का दामन थाम लिया है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और बिहार के सह प्रभारी अजय कपूर ने आज भाजपा का दामन थाम लिया है। अजय कपूर राहुल गांधी के करीबी माने जाते थे। अजय कपूर यूपी में कांग्रेस के बड़ा चेहरा थे। कांग्रेस उन्हें कानपुर से अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाना चाहती थी। अजय कपूर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के रिश्तेदार हैं। बड़े उद्योगपति भी हैं। 2002 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद लगातार तीन चुनावों में उन्होंने जीत दर्ज की थी। वह 2002 से 2017 तक विधायक रहे हैं। अजय कपूर कानपुर की गोविंद नगर और किदवई नगर सीट से विधायक रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और कानपुर पार्टी के कद्दावर नेता माने जाने वाले अजय कपूर के भारतीय जनता पार्टी में जाने से कांग्रेस में दमदार नेताओं की जगह खाली हो गई है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि कांग्रेस के कानपुर से बड़े नेता रहे

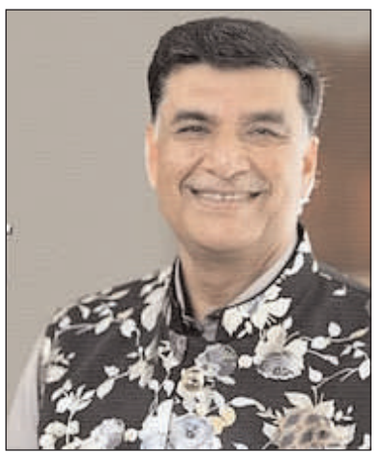

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल अब पूरी तरह कांग्रेस के राजनीति से बाहर हो चुके हैं। वह स्वास्थ्य और अधिक उम्र की वजह से पार्टी में काफी दिनों से सक्रिय नहीं हैं। अजय कपूर के जाने से कांग्रेस में एक नई बात यह होगी कि अब कांग्रेस पार्टी में नए नेताओं को आगे आने का मौका मिलेगा। इधर अजय कपूर के भाजपा में आ जाने से स्थानीय इकाई में भी खींचतान मचेगी। अजय कपूर, क्योंकि तीन बार के विधायक रहे है और लगातार चुनाव भी लड़ते आए हैं। ऐसे में वह भाजपा में भी पूरी कोशिश करेंगे की उन्हें कोई मजबूत जगह मिले। ऐसे में अजय कपूर के भाजपा में आने से भाजपाइयों में जहां पार्टी का कुनबा बढ़ने की खुशी है। वहीं पर पार्टी के जो लोग आने वाले समय में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं उनके अंदर कस मकस भी है। ठीक लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के बड़े नेता के भाजपा में आने से भाजपा वोट बैंक बढ़ेगा। पंजाबी वोट बैंक के अलावा भी अजय कपूर का शहर के दक्षिण क्षेत्र में अच्छा वोट बैंक है। उसका भी भाजपा को फायदा होगा। अजय कपूर विधानसभा अध्यक्ष यूपी और कानपुर में भाजपा के बड़े नेता सतीश माहना के खास माने जाते हैं।

खाई में गिरी पिकअप वैन, चार की मौत, 26 घायल, तीर्थ पर गुप्ता धाम जा रहे थे सभी लोग

रोहतास। रोहतास में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 26 लोगों की हालत गंभीर है। घायलों का इलाज चल रहा है। घटना चेनारी थाना अंतर्गत गायघाट के समीप पास की है। बुधवार सुबह पिकअप वैन पर सवार 30 लोग तीर्थ पर गुप्ता धाम जा रहे थे। सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। बच्चे का मुंडन संस्कार कराने के लिए गुप्ता धाम जा रहे थे। लोड अधिक होने के कारण गायघाट के पास पिकअप अनियंत्रित हो गई और पलटकर 140 फीट नीचे खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 26 लोगों की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। सासाराम एसडीएम ने चार लोगों की मौत की पुष्टि की है। वन विभाग के रेंजर अभय कुमार ने बताया कि भोजपुर जिले के शाहपुर थानाक्षेत्र के विश्वपूरा गांव से 30 लोगों का एक जत्था मंगलवार की शाम गुप्ता धाम दर्शन के लिए पहुंचा था। शाम होने के कारण उन्हें रोक लिया गया था। बुधवार की सुबह 6:00 बजे के बाद उन्हें गुप्ता धाम दर्शन के लिए रवाना किया गया। हादसा के बाद पिकअप वैन लगभग 140 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें चार लोगों की मौत की बात सामने आ रही है। घायलों में भोजपुर जिले के शाहपुर थानाक्षेत्र के विश्वपूरा गांव के रहने वाले 04 वर्षीय रितेश गौड़ के पुत्र पवन गौड़, विजय कुमार की पत्नी कंचन देवी,संतोष गौड़ के पुत्र रंजन कुमार और रामदेव गौड़ का पुत्र दरोगा गौड़ शामिल हैं। अन्य की पहचान की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय ने सवाल उठाया कि वन विभाग द्वारा चार पहिया वाहन से गुप्ता धाम तीर्थ स्थान जाने पर रोक लगाई दी गई थी। लेकिन कुछ दिन पूर्व ही चार पहिया वाहनों के प्रवेश की अनुमति वन विभाग के द्वारा दी गई है। जब इसके पूर्व में भी गायघाट के समीप कई दुर्घटनाएं हुई है लेकिन वन विभाग द्वारा चार परिवार वाहनों की अनुमति देना एक बड़ी लापरवाही सामने आ रही है।

संपादकीय

जीटी रोड पर बदस्तूर मनोहर सियासत

सियासत में रणनीतियां जन कल्याण के लिये विरले ही बनती हैं। सत्ता हथियाने या सत्ता में बने रहने के लिये साम-दाम-दंड-भेद सहित तरह-तरह के हथकंडे अपनाये जाना आम बात है। महाभारत से लेकर अब तक यही सिलसिला जारी है। पाण्डवों को पांच गांव से भी वंचित रखे जाने पर कुरुक्षेत्र में यही कुछ हुआ। अब इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि हरियाणा में चुनावी महाभारत के लिये एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने अंततः कुरुक्षेत्र को ही पहल दी है। मनोहर लाल मंत्रिमंडल के इस्तीफे के उपरांत मंगलवार सायं कुरुक्षेत्र से ही पार्टी सांसद नायब सैनी को हरियाणा सरकार की कमान सौंपी गयी। हालांकि वह विधायक भी नहीं हैं, फिर भी सियासत की चौसर पर फेंके उनके मोहरे पर ही पार्टी हाईकमान ने अपनी मुहर लगायी। प्रदेश के सत्ता पटल पर चौबीस घंटे के भीतर हुए इस नाटकीय घटनाक्रम का लब्बोलुआब यह है कि मंच के अभिनेता मनोहर लाल भले पार्श्व में चले गये हों, मगर पलायन में वह कतई नहीं गये। मंच पर होने वाले नायाब अभिनय के निर्देशक मनोहर लाल ही होंगे इसमें किसी भी तरह का संशय नहीं होना चाहिए। यह तो स्वाभाविक है कि लगातार दो पारियों में एक ही चेहरे के नेतृत्व से जनता का मोहभंग होने की आशंका अक्सर बनी रहती है। गुणा-जोड़ के गणित में और सियासी विज्ञान में महारत रखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नये मुखौटे से बदलाव करके गुजरात मॉडल का सफल प्रयोग यहां भी दोहराया है। मंगलवार की सायं हुए इस बदलाव के संकेत दरअसल मोदी ने सोमवार सुबह ही गुरुग्राम में द्वारका हाई-वे के उद्घाटन भाषण दे दिये थे। मोदी ने हरियाणा में पार्टी प्रभारी रहते हुए मनोहर लाल से अपने घनिष्ठ संबंधों की एक तरह से याद ताजा करायी थी। उन्होंने स्मरण किया कि दरियों से लेकर मोटरसाइकिल तक पर वे इकट्ठे बैठते रहे हैं। यह बात भी जग जाहिर है कि जहां मनोहर लाल अतीत काल में मोदी के सारथी रहे, वहीं उन्हीं दिनों में नायब सैनी एक सामान्य कार्यकर्ता या यूं कहे एक टाइपिस्ट के रूप में मोदी और मनोहर के सारथी थे। अतः सोमवार सुबह मोदी द्वारा व्यक्त किये गये उद्गारों की पुष्टि मंगलवार शाम ढलते-ढलते विदाई भावनाओं के रूप में हो गयी। सोशल मीडिया या सियासत के कुछ गलियारों में चल रही इस चर्चा से हम इत्तेफाक नहीं रखते कि जन मन भर जाने की वजह से मनोहर लाल अतीत में भेज दिए गये हैं। मनोहर लाल पर मोदी के विश्वास की पुष्टि करीब छह माह पूर्व भी हुई जब प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पद पर बदलाव करके जाट नेता ओम प्रकाश धनखड़ की जगह उनके पसंदीदा उम्मीदवार नायब सैनी के नाम पर ही मुहर लगी थी। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी से गठबंधन तोड़ने की पटकथा भी जमा-गुणा और जातिगत गणित के अंतर्गत मनोहर-मोदी की सियासी स्याही से लिखी गयी। गठबंधन भंग करने के मुख्यतः दो कारण रहे। एक, पार्टी में गठबंधन को लेकर आंतरिक रोष और दूसरे पार्टी में यह मंथन भी चल रहा था कि जजपा की संगत में जाट वोट मिलने की संभावना न के बराबर थीं। इसलिये सत्ता के आवंटन में देवीलाल के प्रति जन भावनाओं का आदर बराबर रखा गया है। दुष्यंत भले निपटा दिये गये हों, लेकिन देवीलाल के सुपुत्र निर्दलीय विधायक चौ. रणजीत सिंह को मंत्री के रूप में बरकरार रखा गया है। इसके साथ ही गैर जाट व अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के चेहरे के रूप में नायब सैनी का पत्ता खेला गया। वर्ष 2014 से जीटी रोड के हलकों पर केंद्रित गैर जाट कार्ड के बलबूते सत्ता पर काबिज भाजपा ने अब सियासत की चौसर पर कांग्रेस के भूपेंद्र सिंह हुड्डा, जजपा के दुष्यंत चौटाला और इनेलो के अभय सिंह चौटाला के बीच जाट वोटों का बंटवारा करने का खेल खेलते हुए गैर जाटों का पासा अपने पक्ष में फेंकने का कूटनीतिक प्रयास किया है। आज की सियासत है भी सत्ता तक सीमित, जन कल्याण की बातें तो गौण होकर ही रह जाती हैं।

गर्म है बाजार !

दे देंगे हम मौका ।
आओ तनिक पास ।।
होगी वही सीट ।
आपको जो रास ।।
मिल रहा है सुनने को ।
यही बार बार ।।
लगता चारा डाल कर ।
कर रहे तैयार ।।
पर आया जवाब भी ।
छोड़ें मेरा ध्यान ।।
करें खुद की चिंता ।
खतरे में निशान ।।
अब चुनावी मौसम का ।
गर्म है बाजार ।।
ऐंठ रहे हैं वो भी ।
बन चुके जो भार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

इस बार लोकसभा चुनाव में राजस्थान में खाली हाथ नहीं रहना चाहती कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है। ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है, उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक हैं तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को

टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटों से चुनाव हार गई थीं। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी हैं तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक हैं तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं। झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चचाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी। जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लड़वा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनूं में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनूं से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनूं से चौथी बार विधायक हैं तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ें। राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ाना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

अफगानिस्तानियों को धोखा देने का साधन मात्र है डूरंड रेखा

मनीष राय

पिछले महीने तालिबान के उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक सीमा का अभाव है। उन्होंने आगे कहा कि अफगानिस्तान कभी भी डूरंड रेखा को पाकिस्तान के साथ अपनी आधिकारिक सीमा के रूप में मान्यता नहीं देगा। पहले भी वरिष्ठ तालिबान नेताओं ने डूरंड रेखा की वैधता पर सवाल उठाए हैं जैसे - रक्षा मंत्री मौलवी मुहम्मद याकूब मुजाहिद ने पिछले साल कहा था कि डूरंड रेखा महज एक 'रेखा' है। मौलवी याकूब ने यह भी कहा कि जब अफगान लोग चाहेंगे तो अफगानिस्तान इस मामले को इस्लामाबाद के सामने उठाएगा। जबसे काबुल में तालिबान सत्ता में आया है, विवादित सीमा के दोनों ओर के सैनिकों ने कई मौकों पर एक-दूसरे पर गोलीबारी की है, जिससे दोनों पक्षों को नुकसान हुआ है। ये सीमा विवाद कोई नई बात नहीं है; यह पाकिस्तान के निर्माण के तुरंत बाद ही अस्तित्व में आया। 1947 में जब पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ, तो अफगानिस्तान इसकी सदस्यता के खिलाफ मतदान करने वाला एकमात्र सदस्य राष्ट्र था। अफगानों ने तर्क दिया कि जब तक विवादित सीमा की समस्या अनसुलझी रहेगी तब तक पाकिस्तान को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। यह कहना सही होगा कि डूरंड रेखा मुद्दा पाकिस्तान के जन्म के बाद से अफगान-पाकिस्तान संबंधों की अप्रत्याशित प्रकृति को जटिल बनाता रहा है।

आइए इस विवादास्पद सीमा रेखा की उत्पत्ति पर एक नजर डालें। उन्नीसवीं सदी के दौरान मध्य एशिया में बढ़ते रूसी विस्तारवाद और प्रभाव ने भारत में ब्रिटिश अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी। इसके परिणामस्वरूप दोनों साम्राज्यों के बीच कई राजनीतिक और कूटनीतिक टकराव हुए, जिसे बाद में "द ग्रेट गेम" के नाम से जाना गया। ट्रांस-कैस्पियन रेलवे का निर्माण, विशेष रूप से 1890 में निर्मित विस्तार, जो गोशगी में अफगान सीमा तक पहुंच गया था, ब्रिटिश राज (भारत सरकार) के लिए चिंता का एक और स्रोत था, क्योंकि यह रूस को अफगानिस्तान में बड़ी सेना लाने में सक्षम कर सकता था। रूस भी मध्य एशिया में ब्रिटिश वाणिज्यिक और सैन्य छापे से भयभीत था, जबकि ब्रिटेन चिंतित था कि रूस कहीं अपने विशाल क्षेत्र में भारत को शामिल ना कर ले। परिणामस्वरूप, दोनों साम्राज्यों के बीच संदेह, अविश्वास और युद्ध के स्थायी भय का माहौल पैदा हो गया। इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजों ने अफगानिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया जो एंग्लो-अफगान युद्ध के रूप में प्रसिद्ध है। हालाँकि, वे अफगानिस्तान पर सीधा नियंत्रण करने में विफल रहे। इसलिए, उन्होंने देश को एक बफर राज्य में बदलकर इस मुद्दे को कुछ हद तक सुलझाया। इस योजना को पूरा करने के लिए, ब्रिटिश सरकार ने अफगान अमीर (राजा) अब्दुर रहमान खान को रूसी प्रभाव से अफगान उत्तरी क्षेत्रों की रक्षा के लिए सैन्य हथियार और उपकरण प्रदान किए।

लेकिन चूंकि यह रणनीति पर्याप्त सुरक्षित या आशाजनक नहीं थी, साथ ही अफगान विदेश नीति को नियंत्रित करने के लिए, अंग्रेजों का मानना था कि अफगानिस्तान की बाहरी सीमाओं को परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी भी औपचारिक सीमा समझौते पर जाने से पहले अंग्रेजों का लक्ष्य अपनी आर्थिक, भू-राजनीतिक और रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जितना संभव हो उतना क्षेत्र पर कब्जा करना था। अफगानिस्तान को उसकी अधिकांश जमीन से अलग कर दिया गया और जो कुछ बचा था उस पर उसे कमजोर प्रशासनिक नियंत्रण के साथ छोड़ दिया गया। पर्याप्त भूमि हड़पने के बाद, भारत के विदेश सचिव सर मोर्टिमर डूरंड, अफगानिस्तान की सीमा के सीमांकन पर अफगानिस्तान के अमीर के साथ बातचीत शुरू करने के लिए 2 अक्टूबर 1893 को काबुल पहुंचे। अंततः, बातचीत के परिणामस्वरूप डूरंड रेखा का निर्माण हुआ जिसने पश्तून आबादी के आधे हिस्से को संस्कृति, इतिहास और रक्त से घनिष्ठ रूप से विभाजित कर दिया। लेकिन डूरंड रेखा कभी भी वास्तविक सीमा के रूप में काम नहीं करती थी क्योंकि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सर डूरंड ने स्वयं कहा थाः ह्यभारतीय पक्ष की जनजातियों को ब्रिटिश क्षेत्र के भीतर नहीं माना जाएगा। वे केवल तकनीकी अर्थ में हमारे प्रभाव में हैंह्व इसे तब और स्पष्ट किया गया जब वायसराय, लॉर्ड एल्गिन ने 1896 में लिखते हुए कहाः ह्वडूरंड रेखा ब्रिटिश सरकार और अमीर के संबंधित प्रभाव क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए एक समझौता था। इसका उद्देश्य यथास्थिति को बरकरार रखना और अमीर की स्वीकृति प्राप्त करना था।"

प्रत्येक अफगान सरकार का तर्क रहा है कि यह रेखा वैध सीमा नहीं है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल नियंत्रण रेखा होना था, जिसने सुरक्षा के लिए क्षेत्र को प्रभाव क्षेत्रों में विभाजित किया था। काबुल की ओर से एक और दावा, जो सीमा की वैधता को अस्वीकार करता है, वह यह है कि सीमा समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर किए गए थे। हालाँकि कई इतिहासकार इस बात का प्रमाण देते हैं कि अमीर को समझौते के सार और परिणामों के बारे में पूरी जानकारी थी। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आमिर को आर्थिक प्रतिबंध की धमकी के तहत इस पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था। इसके अलावा, अब्दुर रहमान खान अपने क्षेत्र में ब्रिटेन और रूस के बीच युद्ध से बचना चाहते थे, जिसके अनिवार्य रूप से अफगानिस्तान के लिए विनाशकारी परिणाम होते। उस समय की वैश्विक महाशक्ति यानी ब्रिटेन के दबाव का सामना करते समय देश के पास बातचीत के लिए बहुत कम जगह थी।

अफगान अधिकारियों ने हमेशा अपने ब्रिटिश समकक्षों से इस सीमा विवाद को सुलझाने के लिए व्यापक बातचीत के लिए कहा, लेकिन सभी अनुरोध अनसुने कर दिए गए। और जैसे ही ब्रिटेन भारत छोड़ने के लिए तैयार हुआ, अफगानिस्तान ने फिर से सीमा में संशोधन की मांग की। अफगानों की इस माँग को भी अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद, अफगानिस्तान ने घोषणा की कि पिछले सभी डूरंड रेखा समझौते, जिसमें इसे कायम रखने वाली पूर्व एंग्लो-अफगान संधियाँ भी शामिल हैं, अमान्य हैं। इसके अलावा, अफगान संसद ने 1949 में डूरंड रेखा को धोखाधड़ी से खींची गई अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में निंदा करते हुए एक प्रस्ताव जारी किया। संक्षेप में यह कहना सही होगा कि किसी भी अफगान सरकार या राजनीतिक दल ने डूरंड रेखा को पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में कभी स्वीकार नहीं किया। लेकिन 1970 के दशक के अंत में जब अफगानिस्तान एक युद्धग्रस्त देश बन गया तो इस सीमा विवाद को अफगानों ने गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि वे आपस में लड़ने में बहुत व्यस्त थे। पाकिस्तान के लिए अफगानिस्तान में अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ाने के लिए यह एक आदर्श स्थिति थी और यहां तक कि इस्लामाबाद अफगानिस्तान को अपना पांचवां प्रांत भी कहने लगा था। पाकिस्तान कभी भी अपने मामलों को नियंत्रित करने वाला एक गतिशील और शक्तिशाली अफगान राज्य नहीं चाहता। क्योंकि स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान पाकिस्तान को अपने घरेलू मुद्दों में हस्तक्षेप नहीं करने देगा और इस्लामाबाद के साथ वर्तमान सीमा रेखा स्वीकार भी नहीं करेगा।

कांग्रेस से हो रहे पलायन को सिर्फ देखते रहने के लिए मजबूर क्यों हैं पार्टी के आला नेता?

ललित गर्ग

कांग्रेस के दिग्गज एवं कद्दावर नेताओं में नाराजगी, हताशा एवं राजनीतिक नेतृत्व को लेकर निराशा के बादल लगातार मंडरा रहे हैं, पार्टी लगातार बिखराव एवं टूटन की ओर बढ़ रही है। पार्टी में उल्टी गिनती चल रहा है, लेकिन आश्चर्य इस बात को लेकर है कि इस उल्टी गिनती को रोकने के लिए कोई मजबूत उपाय नहीं हो रहे हैं। पार्टी से एक के बाद एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस का दामन छोड़ने में लगे हुए हैं, कांग्रेस छोड़ने वाले इन नेताओं में कुछ राहुल गांधी के खास रहे हैं तो कुछ सोनिया गांधी के। पहले कांग्रेस में गिनती वन, टू, थ्री से होती थी। आजकल थ्री, टू, वन से होती है। पार्टी को मजबूती देने एवं पार्टी छोड़ कर जाने वाले नेताओं को रोकने की गिनती कौन शुरू करेगा? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले देश में एकता यात्रा और उसके बाद अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं लेकिन वे पार्टी के भीतरी असंतोष एवं निराशा को रोकने का अभियान क्यों नहीं शुरू करते? क्या गांधी परिवार का अहंकार एवं परिवारवादी सोच ही पार्टी के टूटने का कारण है?

आगामी लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में बीते कुछ समय से शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब किसी कांग्रेस नेता के पार्टी छोड़ने की खबर न आयी हो। गत दिवस गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी एवं पूर्व कांग्रेसी सांसद गजेन्द्र सिंह राजूखेड़ी समेत मध्य प्रदेश के कई कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हो गए। इसके पहले गुजरात, असम, महाराष्ट्र और यहां तक कि केरल के भी नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। एक के बाद एक नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला यही बताता है कि उन्हें पार्टी में अपना भविष्य नहीं दिख रहा है, पार्टी नेतृत्व की अपरिपक्व एवं बचकाना राजनीति एवं देश-विकास की कोई स्पष्ट नीति न होना भी इन नेताओं के पार्टी छोड़ने का कारण है। राहुल गांधी के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के खिलाफ कोई मजबूत विरोधी दावे नहीं हैं, चुनाव जीतने के लिये जिस तरह की राजनीति सोच एवं एजेंडा होना चाहिए, वह भी दिखाई नहीं दे रहा है। जातीय जनगणना, अदाणी- अंबानी, युवाओं, महिलाओं एवं गरीबों की अनदेखी करने के खोखले एवं बेबुनियाद आरोप के अलावा और कुछ कहने को नहीं है। वे जिन समस्याएं की चर्चा करते हैं, उनका कोई कारगर समाधान उनके पास नहीं हैं। अक्सर वे समाजवादी और वामपंथी नीतियों की वकालत करते दिखते हैं, जो पहले ही नाकाम हो चुकी हैं। कांग्रेस की यह विडम्बनापूर्ण एवं बेजान स्थिति तब है, जब आम चुनावों की घोषणा होने ही वाली है। कांग्रेस से लगातार पलायन करते नेताओं की यह

दर्दनाक स्थिति रेखांकित करती है कि पार्टी नेतृत्व अपने नेताओं को प्रेरित एवं रोक नहीं कर पा रहा है। इसके लिए सबसे अधिक दोषी राहुल गांधी और उनके इर्द-गिर्द के लोग हैं, जो भाजपा एवं मोदी सरकार को चुनौती देने के नाम पर घिसे-पिटे बयान देने में लगे हुए हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस को रोज एक न एक झटका लग रहा है। उसके नेता कब उसका साथ छोड़ दें पता नहीं चलता। जैसे ही कोई चुनाव शुरू होता है, उसी समय से नेताओं का कांग्रेस छोड़कर जाना शुरू हो जाता है। क्या महाराष्ट्र, क्या मध्य प्रदेश, क्या कर्नाटक, सभी राज्यों से कांग्रेस के कई बड़े नेता या तो पार्टी छोड़ चुके हैं या छोड़ने की अटकलें लग रही हैं। राहुल गांधी के सबसे नजदीकी नेताओं में शामिल रहे दिग्गज भी अब भाजपा के साथ हैं तो वहीं कांग्रेस में सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले नेताओं में से रीता बहुगुणा जोशी, कैप्टन अमरिंदर सिंह और गुलाम नबी आजाद भी बहुत पहले ही पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस से युवा नेताओं का भी मोह भंग होता जा रहा है। इसका उदाहरण मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, अल्पेश ठाकोर, हार्दिक पटेल, सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी, आरपीएन सिंह, अशोक तंवर जैसे नेता हैं, जो कांग्रेस से अलग हो चुके हैं। बिहार में अशोक चौधरी, असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा, सुनील जाखड़ के साथ अश्वनी कुमार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हान जैसे भी नेता हैं जो पार्टी के काम करने के तरीके से नाखुश होकर पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। ये वे नेता हैं जिन्हें कांग्रेस ने पहचान दी, केन्द्रीय मंत्री, राज्य में मंत्री बनाया, पार्टी में बड़े पदों पर बिठाया परन्तु पार्टी के मुश्किल वक्त में वो पार्टी छोड़कर भाग रहे हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता जो पार्टी छोड़ चुके या छोड़ने की फिराक में है, वे नरेन्द्र मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रहे हैं। कांग्रेसी नेता यह गहराई से देख रहे हैं कि राहुल किस तरह हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगाते हैं। इन नेताओं ने महसूस किया कि किन्हीं राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी एवं उनके रणनीतिकारों की नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार को कमजोर बता कर और मोदी जैसे कद्दावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है!! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं!!! इसकी कीमत कांग्रेस पार्टी अपने कद्दावर नेताओं को खोकर दे रही है। दरअसल भाजपा के ताकतवर होने के बाद कांग्रेस ने कभी भी पार्टी के लगातार कमजोर पड़ते जाने को लेकर आत्मंथन नहीं किया। कांग्रेस नीति और सिद्धांत भी संदेहास्पद होते चले गये हैं। ऐसे में भाजपा ने कांग्रेस के मजबूत किले में तोडफोड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। भाजपा ने दोतरफ से कांग्रेस का घेराव किया। एक तरफ कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों को न सिर्फ उजागर किया बल्कि कई दिग्गजों पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई भी करवाई। दूसरी तरफ भाजपा ने कांग्रेस में सेंधमारी करके उसके मजबूत नेताओं को तोड़ा और पार्टी को हाशिए पर ले आयी।

लोंहदी के जीर्णोद्धार के दृष्टिगत डीएम ने भूमि पूजन के पश्चात फावड़ा चलाकर कार्य किया शुभाम्भ

मीरजापुर। जनपद की प्राचीन लोंहदी नदी के जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन कर तथा हाथों में फावड़ा लेकर नदी के तलहटी में खुदाई कार्य का शुभारंभ करते हुए लोगों का आह्वान किया कि वह इस नदी के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इसे संरक्षित करने के लिए आगे आए। लोहड़ी नदी को उन्होंने 11 ग्राम पंचायत के लोगों के लिए जीवन दायिनी बताते हुए कहा कि यह महज एक नदी नहीं बल्कि जीवन दायिनी भी हैं जिनका सीधा लगाव आम जनों से लेकर छोटे बड़े सभी जीव जंतुओं, पशु पक्षी एवं खेत खलियानों से भी जुड़ा हुआ है जिसकी अपेक्षा नहीं बल्कि इन्हें संरक्षण करने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने प्राचीन लोंहदी नदी के जीर्णोद्धार के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बरसात के पहले हमें जल संरक्षण पर कार्य करना है। उन्होने कहा कि 02 वर्षों से पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं हुई है। वर्षा न होने से नदियों के जल स्तर पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। नदी तालाब हो गए हैं उन्होंने कहा कि नदी (जल स्रोत) कभी सूखते नहीं बल्कि हमारी अपेक्षाओं से यह सूखते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि लोंहदी नदी 11 ग्राम पंचायत को जोड़ते हुए 16 किलोमीटर में फैली हुई है जहां 19 चेक डैम यानी हर किलोमीटर पर चेक डैम बने हुए हैं जो सुरक्षित हो तो हर वर्ष वर्षा का पानी नदी में बराबर बना रहे नदी के तलहटी का मिट्टी खेतों के लिए खास उपयोगी है इसके बारे में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नदी के खुदाई में सभी सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ इस मिट्टी का उपयोग अपने खेतों में करें, खेती के लिए काफी उपयोगी ही नहीं बल्कि ऊर्जावान भी है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के विकासखंड सिटी में विलुप्त लोंहदी नदी का उद्गम स्थल बरकछा खुर्द के राजस्व गांव अटारी से होता है जो ग्राम पंचायत बरकछा खुर्द के अटारी से होते हुए विकासखंड के पर बरकछा खुर्द, छीतपुर, सिरसी गहरवार, सिरसी बघेल, लोंहदी खुर्द, नकहरा, लोंहदी कला, चन्दईपुर, गोपालपुर, राजापुर एवं कंतित ग्रामीण से गुजरती है, इस प्रकार से यह नदी कुल 11 ग्राम पंचायत से प्रभावित होती है और ग्राम पंचायत राजपुर में अंतिम छोर से गंगा नदी में मिल जाती है। उन्होने कहा कि यह नदी कुल 16.76 किलोमीटर की दूरी, कुल लागत रू0 101.74 लाख, जिसमें मनरेगा से 94.63 व्यय एवं 39243 मानव दिवस का सृजन करते हुये विकासखंड सिटी में तय करती हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 11 ग्राम पंचायत में कार्य कराए जाना प्रस्तावित है जिसमें कुल प्राक्कलित लागत 101.74 लाख है। उक्त कार्य करने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 की कार्य योजना में कार्य को सम्मिलित कर लिया गया है उपयुक्त कार्य में जल संरक्षण के विभिन्न कार्य एवं वृक्षारोपण का भी कार्य किया जाना है जल संरक्षण के तहत लोंहदी नदी के जल प्रवाह का प्रवाह मार्ग पर चेक डैम एवं पापुलेशन आदि का भी निर्माण किया जाना प्रस्तावित है नदी में जल को स्वच्छ रखने हेतु यह आवश्यक है की नदी में मिलने वाले जल का उचित तरीके से सुन्दरीकरण किया जाए इसके लिए सभी स्थलों पर फिल्टर चेंबर का भी निर्माण किया जाएगा नदी में कुछ स्थानों पर जैसे चन्दईपुर, बरकछा खुर्द, गोपालपुर में बृहद वृक्षारोपण एवं अमृत उद्यान भी प्रस्तावित है।

मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने कहा कि इस नदी को और भी गहरा बनाया जाएगा जल संचयन के साथ-साथ नदी के जीर्णोद्धार का कार्य और चेक डैम भी बनाए जाएंगे ताकि पानी का भूगर्भ बना रहे। उन्होंने ग्रामीणों से जन सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वर्षा से पूर्व तीन-चार महीने में इस कार्य को पूर्ण करना है वर्षा में मीरजापुर का पानी बहने ना पाए इसे रोक कर नदी में ही बनाए रखना है ताकि इस विलुप्त होती नदी को बचाने के लिए सभी का जन सहयोग कारगर साबित होने के साथ-साथ इस नदी को और गहरा कर जल संरक्षण संचयन का कार्य किया जाएगा। उन्होंने लोंहदी नदी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहां कि नदी 11 ग्राम पंचायत से होकर गुजरती है बरकछा खुर्द ग्राम पंचायत के राजस्व गांव से होते हुए यह अटारी पुल से आगे बढ़कर गंगा नदी में मिल जाती है। उन्होने कहा कि मार्च में ही यह नदी सूख जाती है जिसे बचाना और इसकी उपयोगिता को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य बनता है। उन्होंने कहा कि इस नदी के जीर्णोद्धार का उद्देश्य है इसे विलुप्त होने से बचाना तथा जल को सुरक्षित करना है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि यहां जल संरक्षण के लिए 400 कार्य स्वीकृत हैं जिनमें 180 कार्य स्वीकृत हो चुके हैं। कुछ स्थानों पर वृक्षारोपण एवं पांच बड़े पार्क को भी विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्थान चयन किया जा रहा है मनरेगा एवं राज्य वित्त के कन्वर्जन से हो रहे इस कार्य में लगभग एक करोड़ की धनराशि खर्च होना है 39243 हजार मानव दिवस सृजित किए जाएंगे। लोंहदी नदी की जितनी ग्राम पंचायत इस नदी के दायरे में आने वाले एक नहर जो सिरसी गहरवार से नकहरा तक है उसे कब्जे से मुक्त कराया जायेगा। इस अवसर पर उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 अनय मिश्रा, सिटी ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि, खण्ड विकास अधिकारी सिटी सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

आधा दर्जन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने आज नगर पालिका परिसर में डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए आधा दर्जन वाहनों को नगर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया श्रीमती मौर्य ने कहा डोर टू डोर कूड़ा उठाने से शहर में गंदगी कम होगी लोग अपने घरों में कूड़ा एकत्रित कर रहेंगे वहां जाएगा वहां पर अपने घर का कूड़ा वहां के डब्बे में डालेंगे जिससे सड़क पर गंदगी नहीं होगी और बीमारियों से निजात मिलेगी इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि दो रामसूरत मौर्या अधिशासी अधिकारी पवन कुमारके अलावा नगर पालिका के सफाई निरीक्षक हरिश्चंद्र यादव अवधेश यादव तथा कार्यालय अधीक्षक अनिल यादव तथा कर्मचारी अधिकारी सभासद मौजूद रहे वाहनों में नारा लगा था कि गाड़ी आ गई कूड़ा बाहर निकालो अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने हरी झंडी दिखाने से पहले नारियल फोड़ा और वहां पर अगरबत्ती व तिलक लगाकर रवाना किया तथा वहां पर मौजूद अधिकारी कर्मचारियों को भी तिलक लगाकर स्वागत किया इसके पूर्व अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य को बुके देकर स्वागत किया नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा किए गए इस कार्य की नगर वासियों ने सराहना की है।

कैबिनेट मंत्री ने हाईस्कूल व इण्टर की सकुशल व शान्तिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने पर समस्त प्रधानाचार्यो/केन्द्राध्यक्षों को दिया धन्यवाद

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा प्रदेश एवं जनपद में सकुलश शान्पिूर्ण व नकलविहीन सम्पन्न कराने पर प्रदेश के मा0 कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले श्री आशीष पटेल ने आज राजस्थान इण्टर कालेज में प्रधानाचार्यो के द्वारा आयोजित एक समारोह में सभी प्रधानाचार्यो व केन्द्राध्यक्षो का आभार प्रकट करते हुये धन्यवाद दिया। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी प्रधानाचार्य व केन्द्राध्यक्ष सहित परीक्षा सम्पन्न कराने में लगे सभी अध्यापक कर्मचारियों के सूझबूझ व मेहनत के चलते प्रदेश सहित जनपद में पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा सम्पन्न हुयी। उन्होने बोर्ड परीक्षाओं के पश्चात कापियों के मूल्यांकन को भी पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने का निर्देश देते हुये कहा कि मूल्यांकन कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हो ताकि मेहनतशील छात्र-छात्राओं को अपने पठन पाठन व मेहनत का परिणाम मिल सकें। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश में होने वाली समस्त परीक्षाओं को पूरी पारदर्शिता व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये कटिबद्ध हैं। किसी भी परीक्षा में गड़बड़ी करने वालो को चिहिन्त कर कड़ी से कड़ी सजा दिलायी जायेगी। उन्होने कहा कि हम सभी का प्रयास है कि मेहनत से पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को उनका सुखद परिणाम प्राप्त हों। मा0 कैबिनेट मंत्री ने कहा कि स्कूलो/कालेजो के सुन्दरीकरण के लिये प्रदेश सरकार कटिबद्ध है ताकि एक अच्छे माहौल में बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सकें। स्कूला के सुन्दरीकरण हेतु प्रदेश में चलाये जा रहे अलंकार योजना की चर्चा करते हुये कहा कि योजनान्तर्गत 25 प्रतिशत की धनराशि सम्बन्धित विद्यालय तथा 75 की धनराशि सरकार द्वारा प्रदान की जा रही हैं। उन्होने कहा कि प्रायः कतिपय स्कूलो में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण उक्त योजना का लाभ पाने में दिक्कते होती हैं। उन्होने कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी वहां 25 प्रतिशत की धनराशि भी छात्रो व स्कूलो के हित को देखते हुये अपने एम0एल0सी0 मद से देकर अलंकार योजना के तहत स्कूलो को सुन्दरीकरण कराते हुये बच्चों के लिये एक सुन्दर व अच्छा वातावरण शिक्षा के लिये प्रदान किया जायेगा ताकि हमारे जनपद के बच्चें भी आगे निकलकर जपनद का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी बृज भूषण सिंह ने भी अपने सम्बोधन के तहत प्रदेश सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के अलावा शिक्षापरक योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक अमर नाथ सिंह, प्राचार्य राजकीय इण्टर कालेज राजकुमार दीक्षित के अलावा अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्य व केन्द्राध्यक्ष उपस्थित रहें।

विकासखंड मेहदावल एवं सांथा में 40 प्रतिशत से कम मतदान वाले बूथों पर स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाताओं को किया गया जागरूक

प्रखर संतकबीरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक ने बताया है कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष-2023 के क्रम में शासन की मंशा अनुरूप न्याय पंचायत स्तरीय श्री अन्न जागरूकता कार्यक्रम मेहदावल विकास खंड में नंदौर, दुर्गजोत, धौरापार अव्वल,मेहदावल एवं बघौली विकास खंड में तरकुलवा, साईबुजुर्ग, महनी में आयोजित किया गया। जागरूकता गोष्ठी को खंड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी कृषि द्वारा उद्बोधित किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही खंड विकास अधिकारी के नेतृत्व में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में मतदान प्रतिशत बढाने एवं मतदाताओं को जागरूक करने के दृष्टिगत उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को उद्बोधित किया गया, जिससे कि आगामी चुनाव में मतदान हेतु मतदाताओं में जागरूकता बढ़े। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) द्वारा बताया गया कि श्रीअन्न की खेती पुराने समय में किसानों द्वारा की जाती थी और यह सेहत के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होता है जिससे मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व हृदय की बीमारियां नहीं होती है। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) द्वारा बताया गया कि यह गोष्ठी मुख्यतः किसानो द्वारा श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ श्री अन्न के उपभोक्ताओं में भी इसकी गुणवत्ता को लेकर के जागरूकता बढ़ाने के लिए की जा रही है जिससे कि उपभोक्ता श्री अन्न के गुणों से जागरूक हो और दैनिक आहार में इसको शामिल करें, इससे वे स्वस्थ रहेंगे, खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। इस असवर पर खंड विकास अधिकारी, मेहदावल अमरेश सिंह चौहान, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) राजेश पांडेय, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) अशोक मिश्रा, ग्राम विकास अधिकारी दीप श्रीवास्तव, शैलेंद्र यादव, प्राविधिक सहायक राजेश कुमार, संजय यादव एवं पीपीएस मनीराम सहित सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

जितेंद्र गुप्ता बने सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव

जमालपुर। क्षेत्र के मठना ग्राम निवासी जितेंद्र कुमार गुप्ता को समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव की ओर से जारी सूची में उन्हें स्थान दिए जाने से उनके शुभेक्षुओं में हर्ष व्याप्त है। श्री गुप्ता अपने जाति तैलिक समाज के साथ साथ पार्टी के फ्रंटल संगठन में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं एवं वर्तमान समय में अपने जातीय संगठन भारतीय तेली साहू समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि मुझे व मेरे समाज को जो सम्मान समाजवादी पार्टी द्वारा सदैव मिला है उसका हम सभी ऋणी रहेंगे। मैं अपने नेता के बताये हुए रास्ते पर चल कर सबके सहयोग से पार्टी को मजबूत करने का काम करुंगा। सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी, प्रवक्ता अशोक सिंह मुन्ना, राणा प्रताप सिंह, अभय यादव, सुनील सिंह पटेल, लालता बियार, दिलीप गुप्ता, विरेंद्र यादव, दिनेश यादव, सुभाष गुप्ता, राजन पटवा, सुरेश यादव, विकास गुप्ता, रवि प्रकाश त्रिपाठी, शोले बियार, सदानंद यादव, सोनु गुप्ता, गुप्तनाथ पाल, रणजीत जायसवाल, सुशील यादव, लोकनाथ सिंह पटेल, काशीनाथ यादव,अशोक गोड़, छेदी खरवार, विजय पटेल, रतन गुप्ता आदि ने बधाई दी।

आगामी त्यौहार को लेकर कोतवाली परिसर में बैठक आहुत

सकलडीहा। कोतवाली परिसर में क्षेत्राधिकारी रघुराज की अध्यक्षता में आगामी त्यौहार को लेकर एक बैठक आहूत की गई। जहां इस बैठक में विभिन्न ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधानों सहित संभ्रांत लोग व व्यापारीगढ़ लोगों को उपस्थित होने के लिए आग्रह किया गया था। क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक द्वारा उपस्थित लोगों से आगामी होली व होलिका के संबंध में चर्चा की गई। लोगों से होलिका और होली के अवसर पर ग्राम सभा में अराजकता फैलाने वालों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

क्षेत्राधिकारी रघुराज ने बताया कि जिन क्षेत्रों में होली और होलिका के अवसर पर व्यवधान उत्पन्न होने की सूचना प्राप्त होगी वहां त्वरित कार्यवाही की जाएगी। इसी के साथ जिन लोगों द्वारा होलिका का आयोजन किया जाता है उनको निर्देशित किया कि होलिका का आयोजन सार्वजनिक स्थानों पर तथा जहां विवाद ना उत्पन्न हो वहीं पर करें। अगर होलिका के स्थान पर विद्युत की सप्लाई गई हो तो वहां होलिका का छोटे स्वरूप में ही आयोजन करें। जिससे किसी प्रकार की अनहोनी घटना से बचा जा सके। वही बुधवार को कोतवाली परिसर पर पीस कमेटी की बैठक के आयोजन के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा सेठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सेठ, आशीष जायसवाल, रोहित जायसवाल, ग्राम प्रधान अमित कुमार सिंह, गुलाब मौर्य, अशोक कुमार, जेपी चौहान, मनोज यादव, रविकांत पांडेय, विमला यादव के साथ में दर्जनों ग्राम प्रधान, प्रतिनिधि व व्यापारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ईट भट्ठा मालिक की सड़क दुर्घटना में मौत

प्रखर वाराणसी। बड़ागांव ब्लाक के साधोगंज बाजार निवासी ईट भट्ठा मालिक गणेश जायसवाल का हरहुआ ओवरब्रिज पर सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताते कि ईट भट्ठा मालिक गणेश साव साधोगंज खरावन के पूर्व प्रधान हरिहर जायसवाल उर्फ पप्पू जायसवाल के छोटे भाई थे। मौत के बाद परिजन सहित पूरे गांव में गम का माहौल व्याप्त है।

नेशनल इंटर कालेज में प्रवेश फॉर्म का वितरण आज से

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र के ख्याति प्राप्त नेशनल इंटर कालेज पिंडरा में कक्षा 6, 9 व 11 में प्रवेश के लिए प्रवेश फॉर्म का वितरण 14 मार्च गुरुवार से होगा। प्रधानाचार्य रामाश्रय सिंह ने बताया कि प्रवेश फॉर्म का वितरण 14 मार्च से होगा। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 2 अप्रैल तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है।

15वें दिन भी किसानों का धरना रहा जारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। काशी द्वार योजना के बिरोध में तहसील पिंडरा पर 15वे दिन भी किसानों का धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। बुधवार को आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान नीबूलाल, बचऊ लाल, राजेंद्र पाल, एजाज अहमद, निहालुद्दीन, राजेश कुमार, रामजी सिंह हरिशंकर सिंह रघुवर पटेल राजनाथ राजभर समेत अनेक किसान उपस्थित रहे।

करण्डा पुलिस ने किया मारपीट व शांती भंग से सम्बंधित 3 वारन्टियों को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को न्यायालय से प्राप्त वारण्ट सम्बन्धित फौ0मु0 596/18 धारा 323/504 भा0द0वि0 जे0एम0 कक्ष सं0 8 कोर्ट गाजीपुर से सम्बंधित अभियुक्तगण मन्ना सोनकर पुत्र रामचन्द्र सोनकर, राजा बाबू सोनकर पुत्र शिवमूरत सोनकर नि0गण ग्राम सुआपुर थाना करण्डा गाजीपुर, भोनू कुमार भारती पुत्र हवलदार निवासी ग्राम बाघी थाना करण्डा जनपद गाजीपुर के घर दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में जगदीश प्रताप सिंह थाना करण्डा, कांस्टेबल राजकुमार भारतीया थाना करण्डा, कांस्टेबल सोनु सरोज थाना करण्डा, महिला कांस्टेबल नेहा यादव थाना करण्डा जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ अभियुक्त चढ़ा नोनहरा पुलिस के रडार पर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को उप निरीक्षक सुदामा प्रसाद मय हमराह देखभाल क्षेत्र में मामूर थे कि मुखबीर खास की सूचना पर अभियुक्त विजय राम पुत्र स्व0 बुधु राम निवासी इंग्लिशपुर थाना नोनहरा गाजीपुर को सुवाष यादव के आम के बगीचे ग्राम बरतर से समय करीब 5 बजे गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सुदामा प्रसाद थाना नोनहरा, हेड कांस्टेबल राकेश गौड़ थाना नोनहरा, कांस्टेबल गौरव राय थाना नोनहरा गाजीपुर शामिल रहे।

डायरेक्टर जनरल नमामि गंगे नई दिल्ली ने नमामि गंगे के अन्तर्गत परियोजनाओं का किया निरीक्षण

मीरजापुर। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत नगर पालिका के अन्तर्गत चल रहे कार्यो का आज डायरेक्टर जनरल नमामि गंगे नई दिल्ली श्री बृजेंद्र स्वरूप ने जनपद में भ्रमण कर प्रगति कार्य का निरीक्षण किया। फतहा में निमार्णाधीन एस0टी0पी0 कार्य के निरीक्षण पर पहुंचने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने उनका स्वागत अभिनन्दन करते हुये जनपद में कराये जाने वाले कार्यो के बारे में जानकारी दी तथा गंगा के किनारे निमार्णाधीन एस0टी0पी0 परियोजना फतहा के गंगा नदी कटान को रोकने तथा शहर में ड्रेनेज/बड़ा नाला बनाने के प्रस्ताव रखने पर डायरेक्टर जनरल ने मुख्य अभियन्ता जल जीवन मिशन ग्रामीण को सर्वे कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके पूर्व डारेक्टर जनरल ने नमामि गंगे के डायरेक्टर जनरल नई दिल्ली श्री बृजेंद्र स्वरूप प्रात 8:30 बजे विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन करने के बाद सबसे पहले पक्का पोखरा स्थित एस टी पी का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के अहमदाबाद से डेडीकेटेड फ्रंट कारीडोर परियोजना के कई प्रमुख खण्ड राष्ट्र को किया समर्पित

मीरजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज डेडीकेटड फ्रेकारीडोर परियोजना के तहत देश भर में 85 हजार करोड़ रुपए की लागत की लगभग 06 हजार परियोजनाओं का लोकार्पण/ शिलान्यास किया जिसमें जनपद मीरजापुर के के न्यू मिजार्पुर (चन्दईपुर), न्यु डगमगपुर एवं न्यू अहरौरा रोड रेलवे स्टेशन का भी वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर के न्यू मिजार्पुर स्टेशन पर भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के उपक्रम डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा0 केंद्रीय मंत्री व मिजार्पुर की लोकप्रिय सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल उपस्थित रहीं। इन बड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण पर केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से जनपद में माल ढूलाई की लागत कम हो जायेगी और समय की बचत होगी। केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है। पिछले 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गई है । भारतीय अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डालर (अनुमानित वित्तीय वर्ष 24) की जीडीपी के साथ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तीय वर्ष 2022 और 2024 के बीच भारत की वास्तविक जीडीपी में औसतन 7.9 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। भारत को अब अपार संभावनाओं वाले देश के रूप में देखा जाता है जो भारत के प्रभावशाली प्रदर्शन को दर्शाता है। भारत अगले तीन वर्षों में 5 ट्रिलियन अमेरिकी डालर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। हमारी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल उत्तर प्रदेश में रेल बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में 1,91,813 करोड़ रुपए की 5811 से अधिक रेल परियोजनाएं राज्य में प्रगति पर हैं। इस वर्ष के बजट में उत्तर प्रदेश को 19,575 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश में रेल इन्फास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने कहा ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में 3900 करोड़ रू की लागत से पं० दीन दयाल उपाध्याय नगर से यमुना ब्रिज-प्रयागराज रेलखंड का और मीरजापुर क्षेत्र में जिवनाथपुर से जिगना तक-1920 करोड़ रुपए एवं 29 करोड़ रुपए की लागत से न्यू मिजार्पुर स्टेशन, 38 करोड़ रुपए की लागत से न्यू डगमगपुर स्टेशन, 34 करोड़ रुपए की लागत से न्यू अहरौरा स्टेशन के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा रेलवे प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय रेल योजना तैयार की गई है। डेडिकेटेड फ्रेट कड़ारिडोर राष्ट्रीय रेल योजना के तहत लक्षित उद्देश्यों यथा शत-प्रतिशत विद्युतीकरण, अधिक दवाब वाले मार्गों की मल्टी ट्रैकिंग, दिल्ली- हावड़ा और दिल्ली-मुंबई मार्गों पर गति को 160 किमी./घंटा तक बढ़ाना, अन्य सभी स्वर्णिम चतुर्भुज-गोल्डन डायगोनल (जीक्यू/जीडी) मार्गों पर गति को 130 किमी /प्रति घंटे तक बढ़ाना, सभी लेवल क्रासिंग को समाप्त करना आदि को प्राप्त करने में सहायक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्णिम चतुर्भुज के रूप में दो कड़ारीडोर पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी की अवधारणा को जन्म दिया। पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर (पूर्वी डीएफसी) रू 1337 कि.मी, पंजाब के लुधियाना से बिहार के सोननगर तक है। पूर्वी डीएफसी पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर गुजरता है। जीसीएमएमएफ (अमूल) और डीएफसी ने दूध और पशु चारे के परिवहन के लिए टीओटी सेवाएं चलाने के लिए हाथ मिलाया है। इससे लगभग 11.62 लाख लीटर डीजल की बचत हुई है एवं लगभग 3075 टन सी0ओ02 का उत्सर्जन कम हुआ है। इस अवसर पर माननीय राज्यसभा सांसद श्री राम शकल जी, जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद, रेलवे सांसद प्रतिनिधि डॉ एसपी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजू कनौजिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केशरी जोन अध्यक्ष राजेश मौर्या आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें। इनके अलावा डीआरएम प्रयागराज विवेक सिंह, एडीईएन अभिषेक सिंह तोमर, पीके मंडल, टीके अग्निहोत्री सहित राष्ट्रीय सचिव मेघनाथ पटेल, जिला महामंत्री भाजपा हरिशंकर सिंह पटेल, पूर्व चेयरमैन विजय वर्मा, प्रदेश सचिव सहकारिता मंच अरुणेश पटेल, प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंद, प्रदेश सचिव पंचायत मंच पप्पू पटेल, प्रदेश सचिव पंचायत मंच विजय सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम पटेल, जोन अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, मंडल अध्यक्ष राजेश सोनकर, जोन अध्यक्ष आलोक पटेल, अजय सिंह शंभू गुप्ता ग्राम भौरही प्रधान धर्मेंद्र सिंह श्रीमती राधिका बेलदार आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें।

क्विज प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को मेडल देकर किया सम्मानित

चकिया। ब्लॉक संसाधन केंद्र चकिया पर विकासखंड स्तर पर पुर्व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों के वैज्ञानिक मनोवृति का विकास करने, प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने, तथा विज्ञान गणित एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक कंपोजीट विद्यालय के बच्चों के मध्य हुआ। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं की क्विज प्रतियोगिता चकिया विकासखंड पर आयोजित हुई। क्विज प्रतियोगिता में 300 बच्चों ने भाग लिया जिसमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 बच्चों को विज्ञान प्रदर्शनी जनपद स्तर पर ले जाने एवं 10 सर्वश्रेष्ठ बच्चों का चयन हुआ एवं सभी को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। 20 अंकों में से 17 अंक पाकर कंपोजिट विद्यालय पचाफेडिया का छात्र अंकित कुमार प्रथम विजेता रहा। कंपोजिट विद्यालय पचाफेडिया मुड़हुआ, चकिया एवं के बच्चों ने 15 अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गणेशपुर, सदापुर मुजफ्फरपुर से लड़कों ने बच्चों ने 14 अंक पाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को किया गया पुरस्कृत

धानापुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र पर मंगलवार को शासन के निदेर्शानुसार बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने,मनोवैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने,प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान/गणित एवं प्रद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम संचालित किया गया।खण्ड शिक्षा अधिकारी अवधेश नारायण सिंह के नेतृत्व में विकास खण्ड के सभी 69 उच्च प्राथमिक विद्यालय व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के 414 बच्चों ने प्रतिभाग किया।बीईओ ने बताया कि कक्षा 6 से 1 कक्षा 7 से 2 और कक्षा 8 से 3 बच्चों को लिया गया है। टॉप टेन में कंपोजिट विद्यालय प्रसहटा के मनमोहन यादव ने 20 अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, यूपीएस मनीपट्टी की अंशिका मौर्य ने 19 अंक पाकर द्वितीय, यूपीएस रैथा के चंद्रमा 18 अंक तोरवा के निकिता मौर्य यूपीएस कादीराबाद का शौरभ मौर्य संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया, यूपीएस तोरवा के ज्योति पाल और धानापुर के शिवांश गुप्ता ने 17 अंक पाकर चौथा स्थान प्राप्त किया, कंपोजिट विद्यालय हेतमपुर के रुक्मणी पांडेय, कंपोजिट विद्यालय अवहीं के स्मृति और कंपोजिट विद्यालय आवाजापुर का सूरज मिश्रा ने 16 अंक पाकर पांचवा स्थान प्राप्त किया।खण्ड शिक्षा अधिकारी ए एन सिंह ने बताया की चयनित सभी 10 बच्चों को प्रोजेक्ट मॉडल बनाने के लिए धनराशि दी जाएगी जिससे वह एक अच्छा प्रोजेक्ट मॉडल बनाकर जिले में अपने ब्लॉक का नाम रोशन कर सके।इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री इम्तियाज खान इरफान अली अशोक पाल ,ज्ञानचंद कांत, संजय यादव संजय प्रजापति असगर अली प्रदीप कुमार राजेंद्र यादव शिवेंद्र मिश्रा सहित तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका : स्कूल बस ट्रक से टकराई, पांच की मौत

शिकागो। अमेरिका के इलिनोइस राज्य की राजधानी स्प्रिंगफील्ड से लगभग 91 किमी उत्तर पश्चिम में रशविले में राजमार्ग पर स्कूल बस के ट्रक से टकरा जाने से तीन बच्चों और दो वयस्कों की मौत हो गई। इलिनोइस राज्य पुलिस ने बताया कि दुर्घटना सुबह 11:30 बजे के आसपास हुई जब यूएस रूट 24 पर पूर्व की ओर जा रही स्कूल बस अज्ञात कारण के लिए पश्चिम की ओर जाने वाली लेन में केंद्र रेखा को पार कर गई और रेत ले जा रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। स्कूल बस में सवार सभी लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पाकिस्तान में इमारत ढहने से नौ की मौत, दो घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के मुल्तान शहर में मंगलवार को तीन मंजिला इमारत गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। जियो न्यूज ने जिला आपातकालीन अधिकारी कलीम उल्लाह के हवाले से कहा कि यह घटना मुल्तान के मोहल्ला जवादियान में मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे हुई। घटना के बाद टीमों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि मलबे में फंसे 11 लोगों में से नौ की जान चली गई। दो घायलों को निश्तार अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में एक ही परिवार के सात सदस्य शामिल हैं।

चीन में कोयला खदान ढहने से पांच की मौत, दो लापता

बीजिंग। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में गोदाम ढह जाने से पांच खनिकों की मौत हो गई और दो अन्य लापता हैं। प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि हादसा झोंगयांग काउंटी के ताओयुआन शिनलोंग कोयला औद्योगिक निगम में रात करीब 10:45 बजे हुआ। दुर्घटना में मंगलवार सुबह सात बजे तक मलबे से पांच शव निकाले जा चुके है और बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे है।

ब्राजील में डेंगू से अब तक 391 मौत

रियो डी जनेरियो। ब्राजील में इस साल अब तक डेंगू से 391 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है जबकि 854 लोगों की मौत के कारणों की जांच जारी है। स्वास्थ्य मंालय की दैनिक रिपोर्ट के मुतबाकि में कहा कि देशभर में डेंगू के कुल 1,583,183 संदिग्ध मामले सामने आए है, जिनमें 12,652 गंभीर किस्म के मामले है। दक्षिण अमेरिकी देश में डेंगू बुखार की घटना दर वर्तमान में प्रति 100,000 निवासियों पर 757.5 मामले है। ब्राजील में इस साल की शुरुआत से ही डेंगू महामारी का प्रकोप बढ़ा हुआ है और बढ़ते मामलों के कारण नौ प्रांतो में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करना पड़ा है।

मॉरिशस के युवा उज्ज्वल भविष्य के लिए भारत से जुड़ें

पोर्ट लुइस(आईएएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को मॉरिशस के युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने गौरवशाली अतीत को पोषित करने और अपने उज्ज्वल भविष्य में निवेश करने के लिए भारत के साथ जुड़े रहें। मॉरिशस विश्वविद्यालय में छात्रों और विशिष्ट अतिथियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने आशा व्यक्त की कि दोनों देशों के युवा विशेष साझेदारी को प्रगाढ़ करेंगे। राष्ट्रपति 11 से 13 मार्च तक मॉरिशस दौरे पर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मॉरिशस के युवाओं का किया आह्वान

राष्ट्रपति मुर्मू को मॉरिशस विवि की और से डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे युवाओं के बीच दोस्ती हमारे रिश्ते को ऊपर की ओर ले जाएंगे। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए अपनी अमृत काल यात्रा शुरू कर रहा है। शिक्षा हमारे दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण साधन रही है। उन्होंने भारत की दूरंदेशी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बात की, जिसके बारे में उन्होंने कहा, यह नवाचार का पावरहाउस बनने के लिए भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाएगा। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक दशक से भी कम समय में भारत ने लगभग 400 नए विश्वविद्यालय, 5,300 नए कॉलेज, 75 नए राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, 14 नए एम्स, सात नए आईआईटी और सात नए आईआईएम स्थापित किए हैं, जिनमें से आधे नए विश्वविद्यालय और अधिकांश नए कॉलेज ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। उन्होंने कहा, भविष्य की इस रोमांचक यात्रा में भारत मॉरिशस जैसे अपने विशेष मित्रों के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक है। मॉरिशस के 400 युवाओं को भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत भारत में प्रशिक्षित किया जाता है और लगभग 60 मॉरीशस छात्रों को भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति मिलती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि उनमें से कई आज मॉरिशस की नौकरशाही और सार्वजनिक जीवन में उच्च पदों पर हैं। मॉरिशस के सैकड़ों युवा भारत को जानें कार्यक्रम और कई अन्य कार्यक्रमों के तहत भारत का दौरा कर अपनी भारतीय जड़ों से फिर से जुड़ रहे हैं।

स्विट्जरलैंड में लापता पर्वतारोहियों में से पांच के शव मिले

जिनेवा(वार्ता)। वैलैस के दक्षिणी स्विस कैंटन में सप्ताहांत में लापता हुए पांच क्रॉस-कंट्री पर्वतारोहियों के शव टेटे ब्लैंच पर्वत के पास पाए गए है। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। वैलैस कैंटोनल पुलिस प्रमुख क्रिश्चियन वरोन ने कहा कि छह स्कीयर शनिवार को अपेक्षाकृत अच्छी परिस्थितियों में यात्रा पर निकले। हालांकि बाद में स्थिति तेजी से बिगड़ गई।

अधिकारियों ने रविवार देर रात खोजे गए पांच स्कीयरों की मौत के कारण का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने बर्फीले तूफान, तेज हवाओं और अत्यधिक तापमान का हवाला देते हुए स्थितियों को विनाशकारी बताया। वरोन ने इस बात पर जोर दिया कि प्राथमिकता छठे व्यक्ति को ढूंढना है। अधिकारी ने कहा, जब तक उम्मीद है हम वह सब करेंगे जो हम कर सकते है, लेकिन हमें उन परिस्थितियों के बारे में यथार्थवादी होना होगा जिनसे वह व्यक्ति पिछले 48 घंटों में गुजरा है।

डोभाल ने नेतन्याहू से गाजा में मानवीय सहायता पर चर्चा की

यरुशलम (भाषा)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। डोभाल ने नेतन्याहू से भीषण खाद्य संकट से जूझ रहे गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति की समस्या को सुलझाने की तत्काल आवश्यकता और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा की।

इस्राइल के प्रधानमंत्री के आधिकारिक हैंडल से 'एक्स' पर साझा की गई पोस्ट में लिखा गया, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की और उन्हें गाजा पट्टी में जारी युद्ध से जुड़े हालिया घटनाक्रम की जानकारी दी। हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हमला कर दिया था जिसमें करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और उसने 250 लोगों को बंधक बना लिया था। हमास की कैद में अब भी करीब 100 बंधकों के होने का अनुमान है। हमास के हमले के बाद इस्राइल की जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों में संघर्ष शुरू हो गया। गाजा में इस्राइल हमलों में 30 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों के मारे जाने का अनुमान है। इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण पैदा हुआ मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा पट्टी में कम से कम 5 लाख 76 हजार लोग यानी कुल आबादी का एक-चौथाई हिस्सा खाद्य संकट से जूझ रहा है। डोभाल ने अपने इस्राइली समकक्ष तजाखी हानेग्बी से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन जैसे क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में बने हुए है और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल है।

आतंकियों को काली सूची में डालने में अकारण बाधा

संयुक्त राष्ट्र(भाषा)। भारत ने सुरक्षा परिषद में वैश्विक आतंकवादियों को काली सूची में डालने से संबंधित सबूतों पर आधारित प्रस्तावों में अकारण बाधा पैदा करने के मामले में दोपहरेपन का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सत्र में कहा, इस बुराई से निपटने में संगठन में के व्यवहार में दोहरेपन की बू आती है। उसका परोक्ष इशारा चीन की ओर था जिसने पाकिस्तान में रहने वाले आतंकवादियों पर पाबंदी लगाने की कोशिशों में अडंगा लगा रखा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सुरक्षा परिषद पर लगाया दोहरेपन वाले व्यवहार का आरोप

कंबोज ने कहा, अब हम ऐसे उपसंगठनों की ओर नजर डालें जो अप्रत्यक्ष रूप से रहकर ऐसी निजी कार्यशैली एवं अस्पष्ट तौर-तरीके अपनाते है जिनका चार्टर या परिषद के प्रस्तावों में कोई कानूनी आधार नही है। कंबोज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने 15 देशों वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्य पद्धतियों पर सोमवार को खुली बहस में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, उदाहरणस्वरूप, हमें किसी को (काली) सूची में डालने के इन समितियों के फैसले का पता चल जाता है लेकिन सूची में डालने के अनुरोध को खारिज करने का निर्णय को सार्वजनिक नही किया जाता है। यह निश्चित ही छद्म वीटो है, उससे भी अधिक गूढ़ है जिस पर वाकई सदस्यों के बीच व्यापक चर्चा की जरूरत है।

कंबोज ने कहा, जब आतंकवाद से निपटने की परिषद की कटिबद्धता की बात आती है तो वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों को काली सूची में डालने से संबंधित वास्तविक साक्ष्यों पर आधारित प्रस्तावों को बिना कोई उचित कारण दिए रोक दिया जाना अवांछनीय है और इससे दोहरेपन की बू आती है। कंबोज की टिप्पणी परिषद के स्थाई और वीटो अधिकार प्राप्त सदस्य चीन के परोक्ष संदर्भ में प्रतीत होती है, क्योंकि उसने परिषद में पाकिस्तान में रहने वाले आतंकवादियों को काली सूची में डालने के भारत के प्रयासों को बार-बार अवरुद्ध किया है या उन पर तकनीकी रोक लगाई है। पिछले साल जून में चीन ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों में शामिल होने के आरोप में वांछित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति के तहत वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को अवरुद्ध कर दिया था।

पाकिस्तान : इशाक डार विदेश मंत्री नियुक्त

इस्लामाबाद(भाषा)। पाकिस्तान में नई सरकार के गठन होने के बाद चार बार वित्त मंत्री रह चुके इशाक डार को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान में गठित नई सरकार भारत और अन्य पड़ोसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित घरेलू और बाहरी मोर्चों पर अनगिनत समस्याओं का समाधान करना चाहती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल में 19 सदस्यों को शामिल किया। इशाक डार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता है। वह मूल रूप से कश्मीरी है और सनदी लेखाकार (सीए) हैं।

वह पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भी विश्वासपात्र है।इशाक डार को विदेशी मामलों के प्रबंधन में कम अनुभव है, लेकिन उन्हें ऐसे समय में नई सरकार में विदेश मंत्री का पद दिया गया है जब पाकिस्तान के अपने पड़ोसी भारत के साथ-साथ अफगानिस्तान के साथ संबंध निचले स्तर पर है।

गाजा में 67 फिलिस्तीनियों की मौत

राफा(एपी)। गाजा में रमजान के अवसर पर युद्ध विराम की धराशाई हुई उम्मीदों के बीच पिछले 24 घंटे में इस्राइली हमलों के कारण 67 लोगों की मौत हो गई। फिलिस्तीन में जारी युद्ध में अब तक मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,112 से अधिक हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

अमेरिका : ग्रीन कार्ड के लिए प्रति देश 7 % की सीमा हटाने की मांग

वॉशिंगटन(भाषा)। अमेरिका में आव्रजन शिखर सम्मेलन के दौरान डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों के प्रतिष्ठित सांसदों ने 'ग्रीन कार्ड' आवेदनों की बढ़ती संख्या पर तत्काल ध्यान देने का आह्वान किया है, जिससे भारतीय पेशेवरों और एच-1बी वीजा से संबंधित मुद्दे प्रभावित हो रहे हैं। 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा '(एफआईआईडीएस) की ओर आयोजित अपनी तरह के पहले 'टेक इमिग्रेशन समिट' में, विशेष श्रेणियों में विदेशी कामगारों को ग्रीन कार्ड या कानूनी स्थाई निवास जारी करने के मामले में प्रति देश सात प्रतिशत की निर्धारित सीमा हटाने पर जोर दिया गया। इस तरह का प्रावधान होने से भारतीय अप्रवासियों के लिए ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा अवधि 20 वर्ष से अधिक और कई मामलों में 70 वर्ष से अधिक होगी।

उल्लेखनीय है कि ग्रीन कार्ड को आधिकारिक तौर पर स्थाई निवासी कार्ड के रूप में जाना जाता है। यह अमेरिका में अप्रवासियों को सबूत के तौर पर जारी किया जाने वाला दस्तावेज है। समिट में सांसद रो खन्ना ने कहा, 'हम जानते हैं कि आप्रवासियों ने सिलिकॉन वैली के निर्माण में मदद की है, बहुत सारी कंपनियां शुरु हुई है, जिन्होंने बहुत सारी नौकरियां सृजित की है, बहुत सारे रोजगार सृजित किए है, इनकी स्थापना भारत, चीन, एशिया, मध्य पूर्व, यूरोप से आए आप्रवासियों ने की। आप निगमों को एच1-बी धारकों को कम वेतन देने की अनुमति देकर अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचा रहे है, और आप एच1-बी धारक परिवारों को नुकसान पहुंचा रहे है। इसीलिए हमें उन्हें ग्रीन कार्ड और अंततः नागरिकता देने की आवश्यकता है।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा की ओर आयोजित टेक इमिग्रेशन समिट में सांसदों ने उठाया ग्रीन कार्ड के लिए आवेदनों की बढ़ती संख्या का मामला

नियम के कारण भारतीय अप्रवासियों के लिए ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा अवधि 20 वर्ष से अधिक होगी

सांसद एरिक स्वालवेल ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र कैलिफॉर्निया के 40 प्रतिशत लोग अमेरिका के बाहर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हम बड़ी चुनौतियों का सामना करना चाहते हैं तो हमें समाधान की आवश्यकता है। अगर हम अमेरिका में कैंसर का इलाज करना चाहते है, तो हमें खस्ताहाल आप्रवासन प्रणाली को ठीक करना होगा। यदि हम बच्चों की देखभाल पर कम भुगतान करना चाहते हैं, तो हमें अपनी आव्रजन प्रणाली को ठीक करने की आवश्यकता है। भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि अमेरिकी आव्रजन प्रणाली टूट-फूट गई है। उन्होंने कहा, हमें कानूनी आप्रवासन को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, हमारे व्यवसायों को इसकी आवश्यकता है। जब भी मैं कंपनियों के सीईओ से मिलता हूं, वे मुझे बताते है कि कुशल कार्यबल ढूंढ पाना कितना महत्वपूर्ण है।

यूएस-कनाडा के हिंदू समुदाय ने किया सीएए लागू होने का स्वागत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्र की मोदी सरकार ने 'नागरिकता संशोधन कानून को लागू कर दिया है। इसके बाद से पूरे देश में इस पर चर्चा हो रही है। वहीं, यूएस, यूके और कनाडा के हिंदू संगठनों ने भी केंद्र के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया है। नागरिकता संशोधन कानून 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए अहम एजेंडा था। इस कानून के अनुसार ऐसे हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है, जो धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ गए। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में लोगों को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है।

कनाडा के हिंदू फोरम ने अपने बयान में कहा, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद भारत में शरण लेने वाले हिंदुओं को भारत की नागरिता दिलाने के लिए मार्ग प्रशस्त करना केंद्र की मोदी सरकार का सराहनीय कदम है। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा और विभिन्न अन्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में भारत का दायित्व है कि वह सताए गए व्यक्तियों को उनके धर्म की परवाह किए बिना शरण प्रदान करे। वहीं, केंद्र के कदम के बाद वैश्विक मोर्चे पर सक्रिय हिंदू संगठनों ने विश्वास जताया कि आगामी दिनों में भारतीय नागरिकों के बीच इससे भाईचारा बढ़ेगा।

अमेरिका स्थित कोलिशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने केंद्र की मोदी सरकार के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि यह कानून लंबे समय से प्रतीक्षित और आवश्यक था। यह भारत में कुछ सबसे कमजोर शरणार्थियों की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है, जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था।

ट्रंप का 'यूएस कैपिटल' मामले में 'बंधकों' को रिहा करने का वादा

वॉशिंगटन(वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष 2021 में यूएस कैपिटल पर हुए हमला मामले में जेल में बंद लोगों को बंधक करार देते हुए वादा किया है कि वह दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने पर उन सभी लोगों को रिहा कर देंगे।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने समर्थकों ने तत्कालीन राष्ट्रपति के उकसावे में आकर और मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी के उनके झूठे दावों से प्रेरित होकर जो बाइडन को राष्ट्रपति बनने से रोकने छह जनवरी 2021 को यूएस कैपिटल पर धावा बोल दिया था। पिछले सप्ताह जारी न्याय विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, तब से 38 महीनों में लगभग 1,358 प्रतिवादियों पर आरोप लगाए गए हैं तथा लगभग 500 को कारावास की सजा सुनाई गई है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल वेबसाइट पर पोस्ट अपनी टिप्पणियां में वादा किया कि दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने पर सबसे पहले किए जाने वाले कार्यों में हमले के आरोपियों को रिहा करना और मेक्सिको के साथ सीमा बंद करना शमिल होगा।

हैती : राजधानी पर हिंसक गिरोहों का कब्जा, हवाई अड्डा बंद

पोर्ट-ऑ-प्रिंस (एपी)। हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने मंगलवार तड़के घोषणा की कि सत्ता हस्तांतरण के लिए राष्ट्रपति परिषद बनने के बाद वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। हेनरी पर इस्तीफा देने का अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। हैती में आपराधिक गिरोहों की हिंसा के कारण गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो चुकी है। राजधानी में अराजक स्थिति के कारण विदेश यात्रा पर गए प्रधानमंत्री हेनरी देश में प्रवेश नहीं कर पा रहे। गिरोहों ने हैती की राजधानी के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया है और इसके मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बंद कर दिया है।

देश में प्रवेश नहीं कर पा रहे प्रधानमंत्री हेनरी ने कहा, मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा

हैती में 1987 में संविधान को स्वीकार किया गया था। इसके बाद से हेनरी सबसे लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता है। हेनरी की घोषणा से कुछ ही घंटों पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और कैरेबियाई नेताओं एवं अधिकारियों ने हैती में बढ़ती हिसा को रोकने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने के लिए कई घंटों तक बंद दरवाजों के पीछे बैठक की। विदेश यात्रा पर गए हेनरी आपराधिक गिरोहों की बढ़ती हिंसा और अशांति के कारण अपने ही देश में प्रवेश नही कर पा रहे। इन गिरोहों ने हैती की राजधानी के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया है और इसके मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बंद कर दिया है।

वह डोमिनिकन गणराज्य में उतरने से रोके जाने के बाद एक सप्ताह पहले प्यूर्टो रिको पहुंचे थे। यह अभी स्पष्ट नही है कि हैती को संकट से कैसे बाहर निकाला जा सकता है। हैती में भारी हथियारों से लैस गिरोहों ने पुलिस थानों को जला दिया, मुख्य हवाई अड्डे पर हमला किया और देश की दो सबसे बड़ी जेल पर हमला किया।

युद्ध में महिलाएं होती हैं सबसे अधिक पीड़ित : गुतरेस

संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, बढ़ती हिंसा और बढ़ते डिजिटल लिंग विभाजन के कारण महिलाओं के अधिकार खतरे में हैं। दुनियाभर में महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए समर्पित महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म, महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्ल्यू) के उद्घाटन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने सोमवार को महिलाओं पर युद्धों के असंगत प्रभाव पर भी बात की।

संरा प्रमुख ने सीएसडब्ल्यू के उद्घाटन पर की महिलाओं के अधिकारों की रक्षा का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र महासचिव तत्काल युद्धविराम और मानवीय सहायता का आग्रह करते हुए कहा, दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में महिलाएं और लड़कियां पुरुषों द्वारा छेड़े गए युद्धों से सबसे अधिक पीड़ित हैं। उन्होंने गाजा में गंभीर परिस्थितियों पर प्रकाश डाला, जहां कथित तौर पर इस्राल की सैन्य कार्रवाइयों के दौरान हताहतों में दो-तिहाई से अधिक महिलाएं हैं। गुतरेस ने अफगानिस्तान और सूडान सहित अन्य देशों में महिलाओं की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी और उनमें निवेश को बढ़ावा देने के लिए अधिक फंडिंग और नई नीतियों का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में पुरुषों के प्रभुत्व को ध्यान में रखते हुए बढ़ते डिजिटल लिंग विभाजन पर भी जोर दिया। उन्होंने आगाह किया कि पुरुषों द्वारा नियंत्रित एल्गोरिदम जीवन के कई पहलुओं में असमानताएं पैदा कर सकता है। उन्होंने आग्रह किया, अब समय आ गया है कि सरकारें, नागरिक समाज और दुनिया की सिलिकॉन वैलीज डिजिटल लिंग विभाजन को पाटने के लिए व्यापक प्रयास में शामिल हों और यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को सभी स्तरों पर डिजिटल प्रौद्योगिकी में निर्णय लेने की भूमिका मिले। गुतरेस ने विशेष रूप से वित्तीय संस्थानों में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए महिलाओं की तत्काल आवश्यकता पर भी ध्यान आकर्षित किया। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व की भूमिकाओं में लैंगिक समानता हासिल करने के लिए संरचनात्मक बाधाओं को खत्म करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अत्यधिक पुरुष-प्रधान वित्तीय संस्थानों को उन संरचनात्मक बाधाओं को खत्म करने की जरूरत है, जो महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं से रोक रही हैं।उन्होंने सभी प्रकार के गरीबी उन्मूलन के लिए संयुक्त कार्रवाई की वकालत की। गुतरेस ने कहा, आइए इसे महिलाओं और लड़कियों के जीवन में निवेश कर शांति और सम्मान पर जोर दें।

फिलिपिनी नाविकों की रिहाई के लिए बातचीत जारी!

मनीला (वार्ता)। फिलीपींस के राजनयिक ने मंगलवार को कहा कि पिछले साल यमन के हूती विद्रोहियों के द्वारा बंधक बनाए गए 17 फिलिपिनी नाविकों की रिहाई के लिए बातचीत जारी है। विद्रोही पूर्व शर्त के रूप में गाजा में युद्ध की समाप्ति पर जोर दे रहे हैं। फिलीपींस के विदेश मामलों के अवर सचिव एडुआर्डो डी वेगा ने राष्ट्रपति भवन में कहा, हूती जहाज या नाविकों को रिहाई से पहले गाजा में युद्ध समाप्त करने की मांगी की है।

वेगा ने कहा कि सभी नाविक सुरक्षित है और वह अपने परिवारों से संपर्क कर सकते है, हालांकि उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा, हम कम से कम इसके बारे में हूतियों के साथ हमेशा संपर्क में रहते है, वह यह सुनिश्चित करें कि बंधक नाविकों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और वे अपने परिवारों से संपर्क करने में सक्षम हों। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, फिलीपींस दुनिया में समुद्री श्रम के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, जो दुनिया भर के नाविकों का लगभग पांचवां हिस्सा प्रदान करता है।

तनाव से न भारत को कुछ हासिल हुआ न चीन को : जयशंकर

नई दिल्ली (भाषा)। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगभग चार साल से जारी सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि इस अवधि के दौरान 'तनाव' से दोनों देशों में से 'किसी को भी कुछ हासिल नही हुआ।' जयशंकर ने कहा कि भारत 'निष्पक्ष और उचित समाधान' खोजने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह ऐसा समाधान होना चाहिए, जो समझौतों का सम्मान करता हो और वास्तविक नियंत्रण रेखा को मान्यता देता हो।

उन्होंने सोमवार शाम को एक कार्यक्रम में परिचर्चा के दौरान कहा कि भारत ने 'पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए अपने दरवाजे कभी बंद नही किए, लेकिन आतंकवाद का मुद्दा ईमानदारी से बातचीत के केंद्र में होना चाहिए।' हाल ही में दक्षिण कोरिया और जापान की आधिकारिक यात्रा से लौटे जयशंकर ने नई दिल्ली में 'एक्सप्रेस अड्डा' के दौरान कूटनीति की बदलती प्रकृति से लेकर बदल रही वैश्विक व्यवस्था सहित कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। बाद में, उन्होंने राजनयिकों, व्यवसायियों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, पत्रकारों और विदेश नीति के बारे में जानने के इच्छुक लोगों के एक वर्ग के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। जब उनसे सवाल किए गए कि सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए 'चीनी पक्ष ने अतीत में किन प्रस्तावों की पेशकश की और क्या कभी ऐसी स्थिति बनी जब उन्हें ऐसा लगा कि इस मुद्दे को वास्तव में सुलझाया जा सकता है, तो मंत्री ने कहा, 'सीमा संबंधी विवादों को लेकर वार्ता कर रहे हर देश को यह मानना होता है कि इसका कोई समाधान अवश्य होगा।'

कहा, सीमा संबंधी विवादों को लेकर वार्ता कर रहे हर देश को यह मानना होता है कि इसका कोई समाधान अवश्य होगा

यह पूछे जाने पर कि यदि वर्तमान सरकार को '(संसद में) और सीट मिलती है तो क्या वह इस मुद्दे पर बात करने के लिए और अधिक सशक्त हो जाएगी', केंद्रीय मंत्री ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, 'मेरे लिए, भारत की जमीन और सीमा समाधान की निष्पक्षता का सीट की संख्या से कोई लेना-देना नही है...या तो कोई समझौता अच्छा होता है या अच्छा नही होता। आज मुद्दा यह नहीं है कि आपके पास राजनीतिक बहुमत है या नहीं। मुद्दा यह है कि वार्ता की मेज पर आपके पास उचित समझौता है या नहीं।' पूर्व विदेश सचिव जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों पर कुछ श्रोताओं के सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर इतनी अधिक संख्या में बल नहीं होने चाहिए। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि हमें उन समझौतों का पालन करना चाहिए जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं। पिछले चार साल से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों देशों में से किसी को कोई फायदा नही हुआ।' जयशंकर ने कहा, 'इसलिए, मेरा वास्तव में मानना है कि हम जितना जल्द इसे सुलझाते हैं, हमारे लिए यह उतना ही अच्छा होगा। मैं अब भी निष्पक्ष, उचित समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हूं लेकिन यह समाधान ऐसा होना चाहिए जो समझौतों का सम्मान करता हो, वास्तविक नियंत्रण रेखा को मान्यता देता हो और यथास्थिति को बदलने की कोशिश नही करता हो। मुझे लगता है कि यह हम दोनों के लिए अच्छा होगा।" पैंगोंग झील क्षेत्र में हिसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध पैदा हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

टाटा की सौर परियोजना

नई दिल्ली। टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ 100 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना शुरू की है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की क्षमता 120 मेगावाट (एमडब्ल्यूएच) है। एक बयान में कहा गया कि टाटा पावर सोलर सिस्टम्स (टीपीएसएसएल) को दिसम्बर, 2021 में सोलर एनर्जी कारपोरेशन आफ इंडिया लि. (सेकी) से ईपीसी (इंजीनियरिंग खरीद निर्माण) आधार पर 945 करोड़ रुपये की परियोजना मिली थी। परियोजना अनुबंध में इंजीनियरिंग, डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, परिचालन और रखरखाव तथा परियोजनाओं को चालू करना शामिल था।

अधिग्रहण करेगी एचआईएल

नई दिल्ली। सी के बिड़ला समूह की कंपनी एचआईएल लि. ने 265 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर क्रेस्टिया पॉलीटेक प्राइवेट लि. और उसकी चार अनुषंगी कंपनियों का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। पटना की कंपनी क्रेस्टिया टॉपलाइन ब्रांड से पाइप, वाटर टैंक जैसे उत्पाद बनाती है। एचआईएल ने कहा कि इस अधिग्रहण से तेजी से बढ़ते पाइप और संबद्ध क्षेत्र में कंपनी की मौजूदगी बढ़ेगी। कंपनी ने कहा कि क्रेस्टिया पॉलीटेक और इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाइयों टॉपलाइन इंडस्ट्रीज, आदित्य पॉलिटेक्निक, आदित्य इंडस्ट्रीज और साईनाथ पॉलीमर देश के पूर्वी भाग में पीवीसी पाइप, 'फिटिंग्स' और वॉटर टैंक खंड में मजबूत उपस्थिति है।

कर्नाटक में महंगाई भत्ता बढ़ा

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) 38.75 प्रतिशत से बढाकर 42.5 प्रतिशत करने की मंजूरी दी है। लोकसभा चुनावों की घोषणा से कुछ सप्ताह पहले राज्य सरकार ने कर्मचारियों को यह राहत दी। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को कहा गया कि केंद्रीय वेतनमान पाने वाले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 46 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि इस संशोधन से राज्य पर हर साल 1,792.71 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। यह कर्मचारियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जुपिटर वैगन्स को ठेका

कोलकाता। परिवहन से जुड़े समाधान उपलब्ध कराने वाली जुपिटर वैगन्स लि. को मालगाड़ियों के 2,237 डिब्बों के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए 957 करोड़ रुपये का आर्डर मिला है। ये मालगाड़ी के डिब्बे (बीओएसएम वैगन) विशेष रूप से कोयला और लौह अयस्क जैसे थोक माल के परिवहन के लिए डिजाइन किये गये हैं। इस अनुबंध ने कंपनी की आर्डर बुक को मजबूत किया। कंपनी के पास आर्डर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के हैं। जुपिटर वैगन्स का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 82 प्रतिशत बढकर 81.46 करोड़ रहा।

सोना 50 रुपये टूटा

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 66,350 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 400 रुपये की मजबूती के साथ 75,900 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 66,350 रुपये प्रति 10 ग्राम रही।'(एजेंसी)

किसानों की आय दोगुनी हुई या नहीं, इसका पता लगाना मुश्किल

■ आंकड़ों की कमी इसका पता लगाने में बन रही है बाधक ■ रमेश चंद ने कहा, गैर कृषि स्रोतों से ज्यादा कमाई कर रहे किसान

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा है कि किसानों की आय दोगुनी हई है या नहीं, इसका पता लगाने के रास्ते में कृषकों और अन्य स्रोतों से उनकी आय को लेकर आंकड़ों की कमी बाधा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसान गैर-कृषि स्रोतों से अधिक कमाई कर रहे हैं।

रमेश चंद ने यह भी कहा कि कृषि वस्तुओं की कीमतें किसी कानून के जरिए तय नहीं की जा सकती, क्योंकि इसके गंभीर प्रभाव हैं। यह न तो कृषि क्षेत्र और न ही किसानों के हित में हैं। उन्होंने विशेष बातचीत में कहा, 'सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य तय किया था ताकि हम इसके लिए और अधिक प्रयास करें। इस लक्ष्य के हिसाब से हम कहां हैं, इसका आकलन करने की जरूरत है। लेकिन आवश्यक आंकड़े हमारे पास उपलब्ध नहीं है।'

उन्होंने कहा कि 2018-19 में छोटे और सीमांत किसान गैर-कृषि स्रोतों से अधिक कमाई कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'अगर हमारे पास वह आंकड़ा होगा, तभी यह स्पष्ट होगा कि क्या हमने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है या नहीं।'

विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी की विभिन्न किसान संगठनों खासकर पंजाब के कृषकों की मांग से जुड़े सवाल के जवाब में चंद ने कहा कि अगर कृषि वस्तुओं की कीमतें कानूनी रूप से तय की जा सकती, तो किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए कोशिश में जुटे कई देशों ने इसे कानूनी रूप दे दिया होता। उन्होंने कहा, "कीमतें कानूनी तौर पर तय नहीं की जा सकतीं। इससे विभिन्न तरह समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके काफी गंभीर प्रभाव होंगे। यह कृषि क्षेत्र या किसानों के हित में भी

नहीं हैं।' चंद ने कहा कि अगर व्यापारियों को बिना मांग और आपूर्ति के समर्थन वाली कीमत पर गेहूं या चावल खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, तो उठाव नहीं होगा।

उन्होंने कहा, 'सही मायने में आप किसी व्यापारी को वह कीमत चुकाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते, जिससे व्यापारियों को लगता है कि इससे लाभ नहीं होगा।' चंद ने कहा कि जब सरकार किसी चीज (गेहूं या चावल) को फिर से उस कीमत पर खरीदती है जो मांग और आपूर्ति पर आधारित नहीं है, तो इसका आर्थिक प्रभाव होता है।

उन्होंने कहा, 'चावल और गेहूं के एमएसपी के मामले में भी यदि आप तुलना करते हैं कि सरकार की आर्थिक लागत क्या है और खुले बाजार की कीमत क्या है तो आप पाएंगे कि चावल के मामले में यदि आप 2,000 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान कर रहे हैं, तो आपको उसे बाजार में उतारने के लिए ही 800 रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा।'

उन्होंने कहा, 'हम चावल और गेहूं के मामले में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यह हमारे खाद्य सुरक्षा का मुद्दा है। इसीलिए, जटिलताएं हैं। अगर कीमत को वैध बनाने (फसलों के लिए एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी) से उद्देश्य पूरा होता, तो सरकार पहले ही ऐसा कर चुकी होती।'

छह वाट के एलईडी बल्ब से बचेगी 30% बिजली

■ ईईएसएल ने अपने पोर्टफोलियों का विस्तार किया

नई दिल्ली (भाषा)।

ऊर्जा बचत समाधान मुहैया कराने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईईएसएल ने मंगलवार को छह वाट के एलईडी बल्ब की पेशकश के साथ अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा भी की।

कंपनी ने कहा कि इस बल्ब से बिजली की खपत में लगभग 30 प्रतिशत की बचत होगी। एक बयान के अनुसार, एलईडी बल्ब किफायती प्रकाश योजना 'उजाला' के तहत उपभोक्ताओं को मिलेगा। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) ने कहा कि ऊर्जा-कुशल उत्पादों तक व्यापक पहुंच के लिए एलईडी बल्ब, एलईडी ट्यूब लाइट और बीएलडीसी पंखों की निविदा की प्रक्रिया पूरी हो गई है। ईईसीएल बिजली मंत्रालय के तहत एक संयुक्त उद्यम है।

ये उत्पाद ईईएसएल मार्ट के जरिये उपभोक्ताओं को मिलेंगे, जो टिकाऊ उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक ऑनलाइन मंच है।

ईईएसएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विशाल कपूर ने बयान में कहा, 'हमारा लक्ष्य अपने मजबूत खुदरा नेटवर्क और रणनीतिक साझेदारी के जरिये इन ऊर्जा-दक्ष उत्पादों को देश के हर घर तक पहुंचाना है।'

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 165 अंक चढ़ा, निफ्टी लगभग स्थिर

मुंबई (भाषा)।

एशियाई बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों में लिवाली के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 165.32 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 73,667.96 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 501.52 अंक बढ़कर 74,004.16 अंक पर पहुंच गया था। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी 3.05 अंक या 0.01 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 22,335.70 अंक पर लगभग स्थिर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक दो प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। इसके अलावा टीसीएस, मारुति, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय बढ़त हुई।

जन औषधि केंद्र संचालकों को मिलेगा बिना गारंटी कर्ज

■ स्वास्थ्य एवं उर्वरक व रसायन मंत्री मनसुख मांडविया ने लांच की वेबसाइट

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय स्वास्थ्य और रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि जन औषधि केंद्रों के संचालकों के लिए सिडबी की ऋण सहायता योजना इस नेटवर्क को आगे बढाने और मजबूती देने में मददगार साबित होगी। मांडविया ने ऋण सहायता योजना और इसके लिए एक समर्पित वेबसाइट की शुरुआत करने के बाद कहा कि जन औषधि केंद्र के छोटे संचालकों को बिना किसी गारंटी के सिडबी से कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सिडबी की इस योजना से जन औषधि केंद्र के संचालकों को कारोबार शुरू करने या उसका विस्तार करने में मदद मिलेगी। ऐसे कर्ज पर गारंटी, चाहे कार्यशील पूंजी हो या सावधि ऋण को सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) की तरफ से मुहैया कराया जा रहा है।

सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है। इस साल जनवरी तक देशभर में लगभग 10,624 जन औषधि केंद्रों का संचालन हो रहा था। इन जन औषधि केंद्रों के जरिए लगभग 1,965 जेनेरिक दवाएं और 293 सर्जिकल उत्पाद सस्ती दरों पर बेचे जाते हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में इन केंद्रों के जरिये 1,235.95 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई थी जिससे नागरिकों को लगभग 7,416 करोड़ रुपये की बचत हुई।

आक्रामक तरीके से न बढ़ाई जाए करदाताओं की संख्या : धनखड़

■ उप राष्ट्रपति ने इनकी तादाद बढ़ाने के लिए परामार्श का सहारा लिये जाने की सलाह दी

नई दिल्ली (भाषा)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को करदाताओं की संख्या बढ़ाने का आह्वान करने के साथ ही कहा कि यह काम आक्रामक तौर-तरीकों के बजाए परामर्श के जरिये अंजाम दिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही उपराष्ट्रपति ने कहा कि नागरिक-केंद्रित पहल ने कर प्रशासन में लोगों का भरोसा बढ़ाया है। धनखड़ ने यहां भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दशक में प्रत्यक्ष कर संग्रह में तीन गुना वृद्धि देखी गई है और आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि करदाताओं के साथ कर प्रशासक का रिश्ता अब एकजुटता और सर्वसम्मति का है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आयकर विभाग के पास अब लोगों के पुराने लेनदेन के बारे में जानने, जागरूकता बढ़ाने और कर अनुपालन के लिए एक तंत्र है। उन्होंने कहा कि विभाग व्यक्तियों तक पहुंचने और आसान कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी रूप से भी सुसज्जित है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि संभावित करदाताओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा होने के लाभ के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।

धनखड़ ने कहा, 'कर संग्रह की क्षमता में अब भी काफी गुंजाइश है।

18 मार्च से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करेगी फ्लाई91

मोपा (गोवा), (भाषा)।

क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 ने कहा है कि वह 18 मार्च से वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करेगी। इसमें गोवा को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा एयरलाइन बेंगलुरु और हैदराबाद से सिंधुदुर्ग के लिए उड़ानें भी संचालित करेगी।

फ्लाई91 के प्रबंध निदेशक और सीईओ मनोज चाको ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अप्रैल से लक्षद्वीप के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना भी बना रही है। एयरलाइन को छह मार्च को विमानन नियामक डीजीसीए ने लाइसेंस दिया था। चाको ने मोपा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि फ्लाई91 के पास छह महीनों में कुल छह एटीआर 72-600 विमान होंगे। फिलहाल इसके बेड़े में दो विमान हैं।

चालू वित्त वर्ष में 8% रहेगी जीडीपी वृद्धि

■ मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन की राय

मुंबई (भाषा)।

उद्योग और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत के करीब रहेगी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने पंजीकृत निवेश सलाहकार संघ (एआरआईए) के एक कार्यक्रम को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धि सांख्यिकी मंत्रालय के 7.6 प्रतिशत के अनुमान से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि निकट अवधि में भारत की संभावनाओं के बारे में आशावादी होने के कई कारण हैं। नागेश्वरन ने कहा, 'अगर चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े उस गति से बहुत कम नहीं होते हैं, जो हमने पहली तीन तिमाहियों में देखे हैं, तो सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत के बजाय आठ प्रतिशत के करीब रहेगी।' गौरतलब है कि सांख्यिकी मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

उन्होंने हालांकि जीत की खुशी से प्रभावित हुए बिना लक्ष्य की ओर विनम्रता के साथ काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक देश के रूप में हमें उच्च गति छोटी अवधि के लिए नहीं, बल्कि लंबी अवधि के लिए बनाए रखनी है।

सीईए ने कहा कि 2023-24 में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि देखी जा रही है, जबकि अनियमित मानसून के कारण कृषि क्षेत्र पिछड़ रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि सर्दियों की फसल की अधिक बुवाई, अल नीनो में कमी और सामान्य मानसून की उम्मीद से आगे कृषि क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है।

दुनिया में भारतीय कंपनियों का भर्ती परिदृश्य सबसे मजबूत

■ जून तिमाही में 36 फीसद कंपनियां करेंगी भर्तियां ■ मैनपावर ग्रुप के रोजगार सर्वेक्षण में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में नियोक्ता आगामी जून तिमाही में तेजी से भर्ती की योजना बना रहे हैं। मैनपावर ग्रुप के नवीनतम रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 36 प्रतिशत कंपनियां अगली तिमाही में और अधिक कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना बना रही हैं।

इस सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। इसमें लगभग 3,150 नियोक्ताओं के साथ बातचीत की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 42 देशों के बीच सबसे मजबूत नियुक्ति परिदृश्य भारत का है।

समीक्षाधीन अवधि में 50 प्रतिशत नियोक्ताओं ने वेतन वृद्धि की बात कही, 14 प्रतिशत ने कमी की आशंका जताई, जबकि 33 प्रतिशत कोई बदलाव नहीं होने की उम्मीद कर रहे हैं।

मैनपावरग्रुप ने बयान में कहा, 'भारत 36 प्रतिशत के शुद्ध रोजगार परिदृश्य के साथ दुनियाभर के देशों की सूची में शीर्ष पर है। कंपनियां भर्ती के दौरान प्रतिभाओं की कमी से जूझ रही हैं।' अप्रैल-जून, 2023 के मुकाबले भारत का शुद्ध रोजगार परिदृश्य छह प्रतिशत मजबूत हुआ है।

एक अन्य सर्वेक्षण में कई कंपनियां इस तिमाही में अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहन भी देंगी।

जीडीपी के 1.2 फीसद पर पहुंच सकता है चालू खाते का घाटा

मुंबई (भाषा)। चालू खाते का घाटा (कैड) चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसम्बर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.2 प्रतिशत यानी 11 अरब डालर तक जा सकता है जबकी इससे पहले की तिमाही में यह एक प्रतिशत था। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा जीडीपी का दो प्रतिशत था। किसी देश को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात से होने वाली आय से उसका आयात व्यय अधिक होने पर चालू खाते का घाटा होता है। इंडिया रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कैड प्रतिशत में कमी आ सकती है क्योंकि वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कुछ शुरुआती संकेत दिख रहे हैं जिससे निर्यात आंकड़ा बेहतर होने की उम्मीद है।

जेट एयरवेज का मालिकाना हक जालान-कालरॉक को ही मिलेगा

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखा और इसके स्वामित्व को जालान कालरॉक समूह को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी। अपीलीय न्यायाधिकरण की पीठ ने जेट एयरवेज की निगरानी समिति को 90 दिन के भीतर मालिकाना हक हस्तांतरण पूरा करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा पीठ जेट एयरवेज के ऋणदाताओं को प्रदर्शन बैंक गारंटी के रूप में समूह की तरफ से दिये गये 150 करोड़ रुपये को समायोजित करने का भी निर्देश दिया है।

जेट एयरवेज को कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थान और सफल बोली लगाने वाले जालान कालरॉक गठजोड़ (जेकेसी) के बीच बंद पड़ी विमानन कंपनी के प्रबंधन के हस्तांतरण को लेकर एक साल से अधिक समय से कानूनी विवाद चल रहा है। इससे पहले, कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायालय ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था और राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) को इस मुद्दे पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में 5.09 प्रतिशत पर लगभग स्थिर

नई दिल्ली (भाषा)।

खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में 5.09 प्रतिशत रही। यह पिछले महीने के लगभग बराबर है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में 5.1 प्रतिशत और फरवरी, 2023 में 6.44 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं की महंगाई फरवरी में 8.66 प्रतिशत रही जो इससे पिछले महीने 8.3 प्रतिशत से मामूली अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

जनवरी में धीमी पड़ी औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार

नई दिल्ली (भाषा)।

विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से जनवरी, 2024 में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि धीमी होकर 3.8 प्रतिशत रह गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाले कारखाना उत्पादन की वृद्धि जनवरी, 2023 में 5.8 प्रतिशत रही थी। वहीं, एक महीने पहले दिसम्बर, 2023 में आईआईपी की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रही थी, जबकि नवम्बर में यह 2.4 प्रतिशत रही थी।

इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह यानी जनवरी तक औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 5.9 प्रतिशत रही है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 5.5 प्रतिशत बढ़ा था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा, 'जनवरी, 2024 में भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 3.8 प्रतिशत बढ़ गया।'

नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि जनवरी में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। जनवरी के महीने में बिजली क्षेत्र का उत्पादन भी धीमी 5.6 प्रतिशत की रफ्तार से बढा। एक साल पहले इसी अवधि में बिजली क्षेत्र का उत्पादन 12.7 प्रतिशत बढा था।

इसके अलावा समीक्षाधीन महीने में खनन उत्पादन वृद्धि भी साल भर पहले के नौ प्रतिशत के मुकाबले घटकर 5.9 प्रतिशत रह गई। उपयोग पर आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, जनवरी माह में पूंजीगत उत्पाद खंड की वृद्धि घटकर 4.1 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 10.5 प्रतिशत रही थी।

इस साल जनवरी में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 10.9 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में इसमें 8.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन आलोच्य अवधि में 0.3 प्रतिशत घट गया जबकि जनवरी, 2023 में इसमें 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, बुनियादी ढांचा/ निर्माण वस्तुओं में भी जनवरी, 2024 में 4.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

16 साल की स्कूली लड़की बिखेर रहीं डब्ल्यूपीएल में स्विंग का जलवा

शबनम शकील ने महिला प्रीमियर लीग में बनाई एक अलग पहचान

● नई दिल्ली

शबनम शकील को कई क्रिकेट फैन्स शायद नहीं जानते हों, लेकिन इस 16 साल की स्कूली लड़की ने अपनी गेंदबाजी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल-2024) में एक अलग पहचान बनाई है। वह अपने प्रदर्शन से लगातार प्रभावित कर रही हैं। डब्ल्यूपीएल में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलती हुई शबनम शकील ने सोमवार को मारक प्रदर्शन किया।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यूपी वारियर्स के खिलाफ मैच में शबनम की गेंदबाजी भारतीय क्रिकेट के लिए भी सुखद संकेत है। यूपी वारियर्स के खिलाफ शबनम ने 11 रन देकर 3 विकेट झटके। अपने इस प्रदर्शन की बदौलत वह प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई। शबनम ने डब्ल्यूपीएल में अब तक तीन मैच खेले हैं। उनके शुरुआती तीन विकेट नेट साइवर-ब्रंट, एलिसा हीली और चमारी अटापट्टू जैसी बड़ी खिलाड़ियों के रहे। डब्ल्यूपीएल के 18वें मैच में गुजरात ने 20 ओवर्स में 152/8 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में यूपी की टीम 8 रनों से मैच हार गई। गुजरात की इस जीत में शबनम का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने 4 ओवरों में महज 11 रन देकर 3 बड़ी सफलताएं अर्जित कीं। शबनम को हालांकि भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन वह अंडर-19 भारतीय टीम से खेल चुकी हैं। साथ ही उन्होंने कुछ मैच भारत की बी टीम से भी खेले हैं। शबनम के डब्ल्यूपीएल में शुरुआती तीन विकेट नेट साइवर-ब्रंट, एलिसा हीली और चमारी अटापट्टू के रहे। 9 मार्च को उन्होंने नेट साइवर-ब्रंट को आउट किया था, जो अब तक 113 टी20 इंटरनेशनल खेल चुकी हैं। इसके अगले मैच में उन्होंने एलिसा हीली को अपना शिकार बनाया, जो अब तक 153 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। चमारी अटापट्टू भी 122 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। शबनम ने सोमवार को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हासिल करने के बाद कहा, मैं ऐसे प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शन करके और इतने बड़े नामों के साथ खेलने का मौका पाकर बहुत खुश हूं। मुझे किसी भी तेज गेंदबाज की तरह नई गेंद से गेंदबाजी करना पसंद है। मुझे नई गेंद से गेंदबाजी करने का बूस्ट मिल रहा था, मैं अपनी गेंदबाजी को इंजॉय कर रही थी।

शबनम ने महज 9 साल की उम्र में शुरू किया था क्रिकेट खेलना...

शबनम ने 9 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उनके माता-पिता नौसेना में हैं। उनके पिता तेज गेंदबाज के तौर पर आंध्र प्रदेश के एक क्लब से खेलते थे, जिन्होंने उन्हें क्रिकेट चुनने के लिए प्रेरित किया। शबनम ने विशाखापत्तनम में टी नागराजू की अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया, जहां उन्होंने अपने लंबे रन-अप पर काम किया और तेज गेंदबाजी की। शबनम की शुरुआती दिनों में ब्रेट ली और जसप्रीत बुमराह के खूब वीडियो देखे। क्रिकेट खेलने वाले किसी भी युवा खिलाड़ी की तरह, वो भी दो बार ट्रेनिंग करने जाती थीं। एक तो सुबह स्कूल से पहले और फिर शाम को स्कूल से छुट्टी होने के बाद। 2021 में शबनम ने सूरत में महिला अंडर-19 वन-डे ट्रॉफी में आंध्र के लिए डेब्यू किया था। 2022 में उन्होंने सीनियर महिला इंटर-जोनल टी20 ट्रॉफी में हिस्सा लिया। उसी साल फिर उन्हें 2023 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए महिला अंडर-19 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम में चुना गया। भारत ने खिताब जीता, लेकिन शबनम ने सिर्फ दो मैच खेले और उन्हें एक विकेट मिला। उस दौरान उन्होंने हेड कोच नूशिन अल खदीर को प्रभावित किया था, जिन्होंने उनकी 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को नोट किया था। नूशिन डब्ल्यूपीएल के लिए गेंदबाजी कोच के रूप में जायंट्स टीम में शामिल हुईं, इसके बाद शबनम को भी 10 लाख रुपये के बेस प्राइज पर गुजरात की टीम में शामिल किया गया था, तब वो अभी सिर्फ 15 साल की थीं।

बेंगलुरु : आईपीएल पर जल संकट की मार, टेंशन में बीसीसीआई

शुरुआती तीनों मैचों पर पड़ सकता है असर

● नई दिल्ली

गर्मी का मौसम अभी ठीक से आया भी नहीं है और फरवरी के महीने से ही हाईटेक शहर बेंगलुरु जलसंकट से जूझने लगा है। यहां आलम ये है कि मुख्यमंत्री आवास में भी पानी की किल्लत की बात सामने आ चुकी है। लाखों लोग बूंद-बूंद पानी के मोतहाज हैं। मगर इन सबके बीच इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, बीसीसीआई ने आईपीएल-2024 सीजन के शुरुआती 21 मैचों का शेड्यूल जारी किया है। इस दौरान 3 मुकाबले बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने हैं। पहला मुकाबला यहां 25 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। मगर इससे पहले ही यहां शहर में छाए जल संकट के कारण मैच होना मुश्किल नजर आ रहा है। इसी बीच यहां के मुकाबलों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग उठने लगी है। इसी बीच केएससीए ने यह साफ कर दिया है कि जल संकट का असर आईपीएल के शुरुआती तीनों मैचों पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि स्टेडियम के सीवेज संयंत्र का पानी मैदान के आउटफील्ड और पिच के लिए उपयोग किया जाएगा।

इंडियन वेल्स ओपन : लुका ने जोकोविच को हराया

कैलिफोर्निया। इटली के टेनिस खिलाड़ी लुका नारदी ने मंगलवार को इंडियन वेल्स ओपन में सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस हार के साथ ही जोकोविच टूर्नामेंट से बाहर हो गए है। इटली के टेनिस खिलाड़ी नारदी ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जीत के बाद नारदी ने कहा, मुझे लगता है कि इस रात से पहले मुझे कोई नहीं जानता था। मैं इससे बहुत खुश हूं। मुझे पता नहीं, मुझमे हिम्मत कहां से आई। मुझे लगता है कि यह चमत्कार है। मैं 20 वर्ष का लड़का हूं, मैं दुनिया का 100वां खिलाड़ी हूं, जिसने नोवाक जोकोविच को हराया है, यह जुनून है।

बॉक्सिंग : निशांत देव पेरिस ओलंपिक कोटा से चूके

बेस्टो अर्सिजियो। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अमेरिका के ओमारी जोन्स हारने के बाद पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल करने से चूक गए है। मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज पुरुषों की 71 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमेरिका के ओमारी जोन्स से 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हार का सामना करना पड़ा। निशांत देव के बाहर होने से इटली में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया और नौ भारतीय मुक्केबाजों में से कोई भी पेरिस 2024 कोटा हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ।

रणजी फाइनल... मुंबई 418 रन पर ऑलआउट

विदर्भ को जीत के लिए 538 का टारगेट, मुशीर का शतक

● नई दिल्ली

मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 के फाइनल में विदर्भ को जीत के लिए 538 रन का टारगेट दिया है। मेजबान टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 418 रन पर ऑलआउट हो गई। मुंबई को पहली पारी में 119 रन की बढ़त मिली थी। दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ ने दूसरी पारी में बिना नुकसान 10 रन बना लिए हैं। अथर्व तायड़े 3 और ध्रुव शोरे 7 नॉटआउट हैं। इससे पहले, विदर्भ ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी और मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए पहली पारी में 224 रन बनाए। विदर्भ पहली पारी में महज 105 रन पर सिमट गया। चौथे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर मैच देखने स्टेडियम पहुंचे।

वानखेड़े स्टेडियम में मंगलवार को मुंबई ने 141/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया। कप्तान अजिंक्य रहाणे 58 और सरफराज खान के भाई मुशीर खान 51 रन के अपने स्कोर को आगे बढ़ाया। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन मुशीर खान ने बनाया। उन्होंने 326 बॉल पर 136 रन की पारी खेली।

श्रेयश अय्यर ने 111 बॉल पर 95 रन बनाए। रहाणे ने 75 रन बनाए। वहीं शम्स मुलानी ने नाबाद 50 रन की पारी खेली। विदर्भ की ओर से हर्ष दुबे ने 5 विकेट झटके। यश ठाकुर ने 3 विकेट लिए। एक-एक विकेट अमन मोखाड़े और आदित्य ठाकरे को मिला।

सचिन-रोहित मैच देखने पहुंचे

विदर्भ के लिए कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका

विदर्भ के लिए पहली पारी में कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम एक लिए सबसे ज्यादा 27 रन यश राठौड़ ने बनाए। उनके अलावा, अथर्व तायड़े ने 23 और आदित्य ठाकरे ने 19 रन बनाए। मुंबई की ओर से धवल कुलकर्णी, शम्स मुलानी और तनुष कोटियन ने तीन-तीन विकेट लिए। एक विकेट शार्दुल ठाकुर को भी मिला।

पहली पारी में शार्दूल का अर्धशतक, रहाणे-अय्यर फेल

मुंबई की ओर से पहली पारी में शार्दूल ने शानदार प्रदर्शन किया। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर दोनों फेल रहे। शार्दूल ने 75 रन की पारी खेली। इस दौरान आठ चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा पृथ्वी शॉ ने 46 रन बनाए। भूपेन लालवानी ने 37 रन का योगदान दिया।

पेरी के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विमेंस प्रीमियर लीग : मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली। एलिस पेरी के 15 रनों पर छह विकेट और उसके बाद नाबाद 40 रनों की पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विमेंस प्रीमियर लीग के 19वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हरा दिया है। 114 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए।

कप्तान स्मृति मंधाना 11 रन और सोफी मोलिन्यू नौ रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सातवें ओवर में इस्माइल ने सोफी डिवाइन को चार रन पर बोल्ड आउट कर दिया। 39 के स्कोर पर तीन विकेट गिरने के बाद एलिस पेरी और ऋचा घोष के साथ पारी को संभाला। एलिस पेरी 38 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। वहीं ऋचा घोष ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 36 रनों की पारी खेली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 15 ओवर में तीन विकेट पर 115 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

उड़ान ने जीता श्रद्धा महिला मंडल फ्रेंडली क्रिकेट मैच

भोपाल, खेल संवाददाता। श्रीमती पूनम मिश्रा अध्यक्षा श्रद्धा महिला मंडल के मार्गदर्शन में एसईसीएल इंदिरा विहार स्पोर्ट्स ग्राउंड में फ्रेंडली क्रिकेट मैच-2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसईसीएल सीएमडी डॉ. प्रेम सागर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (संचालन) एसएन कापरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी एसईसीएल, जयंत कुमार खमारी, श्रद्धा महिला मंडल से श्रीमती राजी श्रीनिवासन, श्रीमती संगीता कापरी व श्रीमती सुजाता खमारी थे। फाइनल मुकाबला मुख्यालय के उड़ान टीम बनाम एसईसीएल एरिया की ऊर्जा टीम के बीच रहा, जिसमें मुख्यालय की उड़ान टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। मैच में स्नेहा को बेस्ट बैट्समेन, मीना को श्रेष्ठ फिल्डर तथा सरीना अबीन मेथ्यूज को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर पूनम मिश्रा ने कहा कि राष्ट्र की ऊर्जा की बुनियाद के रूप में एसईसीएल की पहचान में महिलाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्य अतिथि एसईसीएल सीएमडी डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने कहा कि आज यहां जीत नारी शक्ति की हुई है, एसईसीएल की हुई है।

कोहली टी-20 वर्ल्डकप टीम से हो सकते हैं बाहर

रिपोर्ट्स में दावा- आईपीएल आखिरी मौका पिछले दो महीने से ब्रेक पर हैं विराट कोहली

मुंबई। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली टी-20 वर्ल्डकप के लिए चुनी जाने वाली भारतीय टीम से बाहर हो सकते हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि नेशनल सिलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट विराट कोहली को वर्ल्डकप टीम से ड्रॉप करने का फैसला ले चुका है। 35 साल के इस भारतीय बल्लेबाज के लिए इंडियन प्रीमियर लीग का मौजूदा सीजन आखिरी मौका है, यदि वे इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं, तो उन्हें टीम में रखने के बारे में विचार किया जा सकता है। वे पिछले 2 महीने से ब्रेक पर हैं। कोहली ने टी-20 वर्ल्डकप में 131.30 की स्ट्राइक रेट से 1141 रन बनाए हैं। कोहली की पोजिशन में सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उनकी जगह ले सकते हैं। विराट कोहली पिछले दिनों इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे।

फैंस ने पीएसएल में लगाए फिक्सर-फिक्सर के नारे

मोहम्मद आमिर ने गुस्से में कहा- घर से यही सीखकर आते हो...

● कराची

10 मार्च को पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स और लाहौर कलंदर्स के बीच मैच के दौरान फैंस ने मोहम्मद आमिर के लिए फिक्सर-फिक्सर के नारे लगाए। यह घटना तब हुई जब आमिर ड्रेसिंग रूम की तरफ जा रहे थे। फिक्सर सुनकर आमिर भड़क गए और उन्होंने फैंस के पास आकर उन्हें जमकर सुनाया। वायरल वीडियो में आमिर फैंस के कहते रहे हैं, घर से यही सीखकर आते हो। दरअसल, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को मैच फिक्सिंग के आरोप में साल 2010 में जेल जाना पड़ा था। उन्हें कुल 6 महीने की सजा हुई थी। स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में जेल जाने के बाद उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट से 5 सालों तक का बैन कर दिया गया था।

पौराणिक

आचार्य सरयूकांत झा

कोसल राज के योगी थे हिरण्यनाभ

हिरण्यनाभ कोसल के अधिपति थे। राजा होते हुए भी हिरण्यनाभ योगी थे। जब हिरण्यनाभ राजकुमार थे तभी से उनमें आध्यात्म के प्रति अभिरुचि थी। हिरण्यनाभ ने पिता की आज्ञा से कोसल के राज सिंहासन तो संभाल लिया, पर उन्होंने अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति को कायम रखा। हिरण्यनाभ श्रीराम के पुत्र कुश के वंशज थे। ' शतपथ ब्राह्मण ' में उन्हें हिरण्यनाभ के पुत्र हैरण्यनाभ को भी इसी उपाधि से संबोधित किया गया है। हिरण्यनाभ एक महान योगी और दार्शनिक थे, तथा वैदिक ज्ञान से परिपूर्ण थे। महान ज्ञानी याज्ञवल्क्य इनके शिष्य थे।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ के मंगल पांडे वीर हनुमान सिंह

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ के मंगल पांडेः वीर हनुमान सिंह

लेखक
श्री मनीराम साहू 'मितान'

प्रकाशक
शिक्षादूत ग्रंथागार प्रकाशन नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
पोखन लाल जायसवाल

मूल्य
दू सौ निन्यानबे

वीर रस ले सनाय गीत ले जिहाँ छंद के संग अलंकार अउ रस के सँघरे ले रचना श्रेष्ठ बन जाथे। ए बात के प्रमाण आय मितान अउ एक सबूत देवत हे उँकर सिरजाय प्रबंध काव्य वीर हनुमान सिंह। प्रबंध काव्य म प्रसंग के मुताबिक रस तभे आ पाथे जब नायक के जिनगी के वृत्तांत रचनाकार तिर होवय। जीवन वृत्त बर अध्ययनशील अउ जिज्ञासु होना जरूरी होथे। जतके जादा जानबा रही, ओतके सुघर लिखना हो पाही। जानबा सकला करे बर खोजी होना जरूरी हे।

मितान के ए प्रबंध काव्य म मंगलाचरण दस किसम के छंद म देखे ल मिलथे। जेन म उन मन अपन इष्ट देवी-देवता, जनम भुइयाँ, गुरु सहित बड़का मन ले असीस माँगत वीर हनुमान सिंह के गाथा ल जन-जन तिर पहुँचाय के शुभ काज के श्री गणेश करें हें।

दोहा

उमापूत बुधनाथ गा, हे गजकरन कवीस।
भकला मनी मितान ला, देदे बुद्धि असीस।

अनुष्टप

दाई उमा भवानी वो, अंतस मा उम्हाव दे।
बीर जस लिखौं मैं हा, आरुग पोठ भाव दे।
रहै न खोट एको माँ, देदे असीस दास ला।
तैं सीघ-सीघ दे माता, अक्षर शब्द रास ला।
तैं हा सुने सबो के माँ, सुनले मोर आज वो।
मूरख ये मनी हावै, दे माई काज साज वो।

ए कृति हा छत्तीसगढ़ी साहित्य के एक कलगी साबित होही। एकर ले छत्तीसगढ़ी साहित्य मान पाही। ए किताब छत्तीसगढ़ी साहित्य ल नवा उँचास दिही।

दंतेवाड़ा में इन दिनों फागुन मंडई का उत्साह अपने चरम पर है। फागुन शुक्ल षष्ठी में कलश स्थापना से प्रारंभ होकर होली में रंग भंग उत्सव के दूसरे दिन विदाई तक अनेक रस्मे निभाई जाती है। प्रतिदिन मंदिर से शाम को मां दंतेश्वरी एवम देवी मावली की पालकी नारायण मंदिर के लिए प्रस्थान करती है। रात्रि को बढ़ते क्रम के समय में शिकार के नाट्य रूपों का मंचन आदिवासी करते हैं जिसमे कोडरी मार, लम्हामार, चितलमार, गंवर मार मुख्य है।

फागुन मंडई में देवी की पालकी का भ्रमण

परब विशेषः डा. प्रकाश पतंगीवार

देवी की पालकी देवी दंतेश्वरी के तालाब मेनका डोबरा के तट पर स्थित श्री नारायण मंदिर के समक्ष लाई जाती है यहां विश्राम उपरांत पालकी पुन मंदिर वापस ले जाई जाती है। यह दूरी एक किलोमीटर से भी कम है किंतु इसे तय करने में दो घंटे से अधिक जाने और उतना ही समय वापसी में लगता है। देवी दंतेश्वरी के दरबार में हजार देवी देवताओं के ध्वजा और उनके छत्र ग्रामीण क्रमबद्ध रूप से लेकर बढ़ते हैं। पालकी के आगे बायसन हॉर्न मूरियाओ का गौर नृत्य, कुआंकोंडा के युवाओं का डंडारी नृत्य और उड़िया नाट्य सिंग बाजा वाले, मुंडा बाजा वाले मस्ती में नाचते गाते आगे बढ़ते हैं और हजारों लोग धीरे धीरे साथ साथ चलते हैं। देवी के सम्मान का दृश्य बेहद ही आकर्षक होता है। बस्तर के सारे देवी देवताओं के प्रतीक और आसमान में लहराती उनकी रंग बिरंगी ध्वजाएं, नाचते गाते आदिवासी, तरह तरह के गीत संगीत, देवी की पालकी, बस्तर महाराजा, पुजारी, बारह लंकवार, सेवादार, शहर के नागरिक आदि के भक्ति रंगो के डूबा हुआ शहर, यह रस्म और परंपरा सदियों से आज पर्यंत अनवरत जारी है।

लाहौर अधिवेशन का अंचल में प्रभाव

ऐतिहासिकः डा. अरविंद शर्मा

सन 1929 के लाहौर अधिवेशन में पारित स्वाधीनता के लक्ष्य का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ के ग्रामों में एवं दूरस्थ अंदरूनी क्षेत्रों तक प्रचारित हो गया था। 1932 के इस आंदोलन का प्रभाव क्रमशः रायपुर, दुर्ग और उसके बाद बिलासपुर जिले में तेजी से विस्तारित हुआ। इसी बीच सविनय अवज्ञा आंदोलन, विदेशी वस्तु बहिष्कार और जंगल सत्याग्रह जैसे अनेक योजनाओं और अधिवेशनों को क्रियान्वित करने के लिए इसी क्षेत्र को ही महत्व दिया जाता था, इसके बाद इसका विस्तार किया जाता था। इसका अच्छा प्रभाव भी अंचल के क्रांतिकारियों पर पड़ता था। इस कारण योजनाबद्ध तरीके से अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने में सफलता भी मिलती रही।

छत्तीसगढ़ी भाषा में सर्वनाम रूप

लोक साहित्यः डा. व्यास नारायण दुबे

छत्तीसगढ़ी भाषा के सर्वनामों में तीन रूपों में मूल रूप, विकारी रूप और संबंधकारक होते हैं। प्रयोग की दृष्टि से कर्ता कारक के अंतर्गत सामान्यतः सर्वनाम के मूल रूप का प्रयोग किया जाता है। कर्म एवं संप्रदान कारक के अंतर्गत सर्वनाम के विकारी रूपों का ही प्रयोग होता है, तथा अन्य कारकों में सर्वनाम के संबंध कारक रूप प्रयुक्त होते हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा के विविध बोली रूपों के सर्वनामों के मूल रूप यद्यपि बिना किसी परसर्ग के कर्ता कारक में प्रयुक्त होता है, तथापि उसमें प्रायः निश्चयार्थक परसर्ग 'हर ' भी जोड़ा जाता है। सर्वनाम का विकारी रूप कर्म और संप्रदान कारक में ' का ' और ' ला ' विभक्तियों के साथ प्रयुक्त होता है। बहु वचन वाची सर्वनामों के भी दो रूप होते हैं। पहला रूप सामान्य और दूसरा विभक्तिगत रूप को वियोगात्मक कहा जाता है।

पंडवानी की पुरखिन दाई -लक्ष्मी बाई

सुरताः डा.परदेशीराम वर्मा

पंडवानी विधा के चर्चित कलाकारों के बीच 'माता , दाई और महतारी के रूप में समाकृत लक्ष्मी बाई बंजारे रही हैं। लक्ष्मी बाई पंडवानी की जय यात्रा की पहली चर्चित और बहु प्रशंसित ध्वज वाहक थी। दुर्ग जिले के कतुलबोड़ वाली लक्ष्मीबाई यह परिचय वह प्रदर्शन के दौरान भी देती थी। लक्ष्मीबाई ने पहले पहल रेडियो पर जब अपना कार्यक्रम आज से लगभग चार दशक पहले दिया तो अंचल के गांवों के श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। लक्ष्मी बाई को बार बार रेडियो में अवसर दिया गया। तत्कालीन आकाशवाणी के गुण ग्राही अधिकारियों से प्रोत्साहन पाकर लक्ष्मी बाई ने अन्य विधाओं में भी अपनी दक्षता का लोहा मनवाया। लक्ष्मी बाई 18 दिनों तक पंडवानी सुनाने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला कलाकार थी। राशि या परिश्रमिक का तब विशेष महत्व नहीं था। वह मान सम्मान को ही परिश्रमिक मानती थी। घोर गरीबी में जन्मी, पली, फिर भी धन का लोभ नहीं हुआ।

गांव की कहानी

बालचंद्र जैन

फुलझरहीन देवी के नाम पर फुलझर गांव

फुलझर का उत्तरी क्षेत्र आज भी सुंदरा की मान्यता को उत्साह से मनाते आ रहा है, साथ ही बहुत से गांवों में सुंदरा दाई की पूजा होती है। पश्चात्यकालीन शासन काल में राज्य के फुलझर नाम को भी ' फुलझरीन देवी ' के रूप में स्वीकार कर लिया गया।

प्राचीन फुलझर सुंदरिका राज्य के उत्तरी सीमा पर आंवला चक्का पोटापार की पहाड़ी पर सुंदरा दाईं की मान्यता है। उक्त पहाड़ी पर एक गुफा पर सामान्य प्रस्तर खंड की सुंदरा दाई के नाम से पूजा अर्चना की जाती है। यहां चैत्र पूर्णिमा के दिन मेला भरता है। फुलझर का उत्तरी क्षेत्र आज भी सुंदरा की मान्यता को उत्साह से मनाते आ रहा है, साथ ही बहुत से गांवों में सुंदरा दाई की पूजा होती है। पश्चात्यकालीन शासन काल में राज्य के फुलझर नाम को भी ' फुलझरीन देवी ' के रूप में स्वीकार कर लिया गया। इस पहाड़ी क्षेत्र को आंवला चक्का के नाम से जाना जाता है, तथा इसके किनारे आंवला चक्का के नाम से एक गांव भी है। प्रतीत होता है कि यह पहाड़ी क्षेत्र पूर्व में आंवला वन के नाम से प्रसिद्ध रहा होगा।

मरना कुबूल है, झुकना नहीं : अफजाल अंसारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज दिनांक 1 3 मार्च को समाजवादी पार्टी के सैदपुर विधान सभा के अध्यक्ष कमलेश यादव की अध्यक्षता में सैदपुर में बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि इस देश का गरीब,नौजवान, महिला और किसान भाजपा सरकार की जनविरोधी एवं तानाशाही कदमों के चलते अत्यंत दुखी है।गरीब,नौजवान, महिला और किसान को अपनी चार बिरादरियां बताने वाले मोदी जी को इनके दुख तकलीफों से कुछ भी लेना देना नही है। नौकरी न मिलने की दशा में इस देश का नौजवान अपनी डिग्रियां फूंक आत्महत्या करने को मजबूर है।खराब कानून व्यवस्था के चलते लगातार बढ़ रही रही दुष्कर्म की घटनाओं की वजह से मां बेटियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। किसान एम एस पी की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी भाजपा सरकार का जुमला ही साबित हुआ है। बल्कि बिजली एवं खाद का दाम बढ़ने की वजह से किसानों की फसलों का लागत मूल्य और बढ़ गया है। लगातार बढ़ती मंहगाई के चलते गरीब खून के आंसू रो रहा है। उसका चुल्हा जलना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद यह सरकार विकसित इंडिया,शाइनिंग इंडिया का खोखला नारा दे रही है।यह सरकार केवल अपने पूंजीपति मित्रों की खिदमत में व्यस्त है। इस सरकार की बिदाई ही किसान, नौजवान, महिला और गरीबों के हित में हैं। सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार की साम्प्रदायिक सोच के चलते देश की संस्कृति और सभ्यता खतरे में हैं। विविधता में एकता की वजह से दुनिया में हम जाने पहचाने जाते हैं लेकिन भाजपा सरकार की मजहबी सोच समझ और दकियानूसी विचारों के चलते यह पहचान भी संकट में हैं।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव हम सबके लिए चुनौती है। हम सबके समक्ष लोकतंत्र और संविधान को बचाने की चुनौती है।यदि हम उनकी साजिश से नहीं बचे तो यह लोकतंत्र का अंतिम चुनाव होगा।यह चुनाव तय करेगा कि इस देश में लोकतंत्र कायम रहेगा कि नहीं। यदि आप चाहते हो कि इस देश में लोकतंत्र,देश का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप, गरीबों को मिलने वाला सामाजिक न्याय, देश का सामाजिक और साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रहें तो इस देशसे भाजपा सरकार को हर कीमत पर बेदखल करना होगा। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा अपने ऊपर किये गये जुल्मों सितम की चर्चा करते हुए कहा कि मेरी कोई खता नही है गरीबों के सम्मान की रक्षा करना ही मेरा कसूर रहा है । इसी बात की सजा दे रही है भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे जितना जुल्म कर लें गरीबों के सम्मान के बदले हर कुबार्नी देने को तैयार हूं । उन्होंने कहा कि मरना कुबूल है झुकना नहीं। उन्होंने भाजपा के चार सौ पार के नारे को मुंगेरीलाल के हसीन सपने की तरह बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा जमीनी हकीकत से पूरी तरह से नावाकिफ है । उन्हें इस चुनाव में बेरोजगार नौजवानों और किसानों के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। किसान और नौजवान चुनाव का इंतजार कर रहा है । उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ का कारोबार करती है। हम सबको जनता के बीच जाकर इनके झूठ का पदार्फाश करने की जरूरत है। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए विधायक अंकित भारती ने कहा कि भाजपा अम्बेडकर जी के संविधान को खत्म करना चाहती है। भाजपा का नैतिक पतन होने के कारण देश में आज लोकतंत्र मृत्युशैय्या पर है। भाजपा सरकार ने लगातार नौजवानों और किसानों के साथ धोखा किया है। भाजपा सरकार के पेपर लीक कारोबार के चलते नौजवानों का भविष्य अंधेरे में हैं। भाजपा नौजवानों को नौकरी देना नही चाहती इसलिए पेपर लीक की साजिश रचती है। उन्होंने कहा कि दंभपूर्ण बोल, आचरण और वादाखिलाफी के चलते जनता भाजपा का साथ छोड़ चुकी है। आज की तारीख में पीडीए तबके के साथ साथ परी जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। भाजपा सरकार का जुल्म लगातार बढ़ता जा रहा है। न उसे लोकतांत्रिक मान्यताओं का ख्याल है और न ही संवैधानिक मयार्दाओं का। उनके जुल्म और दमन से प्रदेश का नौजवान, किसान,छात्र ,व्यापारी सभी आक्रोशित हैं। समाजवादी पार्टी उनके जुल्म और दमन का डटकर मुकाबला करेंगी। लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी,भ्रष्टाचार से उपजे जनाक्रोश के चलते धर्म की आड़ में छिप रही है भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का बेरोजगार नौजवान रोजगार न मिलने के चलते अपनी डिग्रियाँ फूंक रहा है और आत्महत्या कर रहा है। लेकिन भाजपा सरकार को न हया है न लाज। इस सरकार के अंदर न नैतिकता है न संवेदना। इस स्वागत समारोह में मुख्य रूप से पुर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा, विधायक मन्नू अंसारी,ओपी भारती, छोटे लाल यादव, देवनाथ कुशवाहा आदि शामिल थे।

चेतना महोत्सव 17 मार्च को, तैयारियो को दिया गया अन्तिम रुप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। साहित्य चेतना समाज की बैठक संस्था के संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी के सहकारी कॉलोनी आमघाट स्थित आवास पर हुई। बैठक में 17 मार्च को आयोजित संस्था के 39वें वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं गाजीपुर गौरव सम्मान समारोह चेतना महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया गया। यह जानकारी संस्था के संस्था के संस्थापक अमरनाथ तिवारी अमर ने बताया कि समारोह में सिद्धपीठ हथियाराम मठ जखनिया के पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर भवानीनन्दन यति और गीता गुरुकुल फाउण्डेशन मिशिगन अमेरिका के संस्थापक योगी आनन्द जी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।मुख्य अतिथि के रूप में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वैश्विक हिन्दी महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 विजयानन्द एवं समाजसेवी केदार जी अग्रवाल मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के लोकपाल डॉ0 गणेश कुमार पाठक करेंगे। समारोह में संस्था द्वारा समाजसेवी सरदार दर्शन सिंह को गाजीपुर गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में संस्था के अध्यक्ष डॉ0 रविनन्दन वर्मा, उपाध्यक्ष संजीव गुप्त, सचिव हीरा राम गुप्ता, शशिकांत राय, राजीव मिश्र, विन्ध्याचल यादव, आनन्द प्रकाश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता अमरनाथ तिवारी अमर एवं संचालन प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बंधुओ की बैठक, कार्यावली पर हुआ चर्चा व निर्णय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला उद्योग बन्धु व व्यापार बन्धु की बैठक बुधवार को सायंकाल 5 बजे राइफल क्लब, सभागार, गाजीपुर में जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित कार्यावली पर चर्चा एवं निर्णय लिया गया। सचिव/उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, गाजीपुर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि प्रमुख सचिव, उ0प्र0, औद्योगिक विकास अनुभाग-6, लखनऊ के पत्र के अनुसार मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 12 मार्च 2024 को सायंकाल 5 बजे इन्वेस्ट यू0पी0 के नवीन कार्यालय का लखनऊ में उद्घाटन किया गया, जिसका सजीव प्रसारण उद्यमियों द्वारा देखा एवं सुना गया तथा इसी क्रम में मा0 सांसद राज्य सभा डा0 संगीता बलवन्त एवं अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद श्रीमती सरिता अग्रवाल द्वारा निवेशकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत दर्जी ट्रेड के लाभार्थियों को सिलाई मशीन का वितरण किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा उद्योग बन्धु की बैठक में उद्यमियों के अनुरोध पर राजकीय औद्योगिक आस्थान नन्दगंज, गाजीपुर के गेट के सामने शराब की दुकान को अन्यत्र स्थानान्तरित करने के लिए माह अप्रैल नये सत्र में किये जाने हेतु आश्वासन दिया गया तथा प्लेज पार्क को गाजीपुर में विकसित किये जाने पर जोर दिया गया।

सुधाकर महिला कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ और स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन

प्रखर वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर 12 मार्च 2024 से 18 मार्च 2024 तक आयोजित किया जा रहा हैं इसी सर्दभ में 12 मार्च को सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ सुधाकर महिला कालेज में किया गया इस अवसर पर महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो० श्रद्धानंद मुख्य अतिथि रहे` प्रो० श्रद्धानंद ने स्वयं सेवी छात्राओं से कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाता है जो कि सेवा कर्तव्य की कसौटी है` कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सेवा एक सम्मान है सेवा एक आदर है सेवा वह है जो स्वयं में परिवर्तन लाता है ` महाविद्यालय के समन्यवक डॉ.अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्वयंसेवी छात्राओं के द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली का उद्देश्य सभी रोगो की एक दवाई घर में रखो साफ सफाई। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोरमा तिवारी, द्वतिय इकाई के डॉ० शालिनी त्रिपाठी, तृतीय इकाई के डॉ० पूजा सिंह ने अपने-अपने स्वयं सेवी छात्राओं को स्वच्छता जागरुकता रैली के अन्तर्गत अपने-अपने कार्यस्थल पुष्परंजन विद्यालय, दौलतपुर, पन्नालाल चौबे विद्यालय छोटा लालपुर और प्राथमिक विद्यालय, छोटा लालपुर एवं आस-पास के मलिन बस्तियों में स्वच्छता जागरूकता के अन्तर्गत नुक्कड नाटक, विभिन्न प्रकार के स्वच्छता नारों के माध्यम से जागरूक किया जबकि सांय को राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन स्वागत गीत, गणेश वन्दना और विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ। इस अवसर पर उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, निदेशक आशीर्वाद दूबे, डॉ० श्याम सुन्दर मिश्रा, डॉ० राजकुमार श्रीवास्तव, डॉ. प्रीति वर्मा आदि समस्त शिक्षकों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

चेयरमैन ने एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। नगर पालिका की चेयरमैन श्रीमती रचना सिंह ने नगर के विभिन्न वार्डों में नाला निर्माण, इंटरलाकिंग,और सड़क निर्माण हेतू कुल एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। शिलान्यास के क्रम में नगर के प्रसिद्ध शाहबाबा के मजार के पास नाला और सड़क के निर्माण का शिलान्यास के पश्चात चेयरमैन श्रीमती रचना सिंह ने बताया की नगर पालिका जनता के सुविधाओ और हितों के लिए प्रतिबद्ध है।श्रीमती सिंह ने आगे कहा की शाहबाबा के प्रसिद्ध मजार पर हर गुरुवार को दूर दूर से जायरीन आते हैं बरसात के दिनों में यहां जलजमाव की स्थिति उतपन्न हो जाती है।जिसे ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों और जायरीनों के सुविधाओ को ध्यान में रख कर सड़क और नाला निर्माण का शिलान्यास किया गया है। वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी ने बताया की कुल एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये के निर्माण कार्य होना है। जिसमे सीवरेज, नाली, सड़क, इंटरलॉकिंग आदि है। जिसका निर्माण दो तीन में आरम्भ हो जाएगा।श्री बंटी सिंह ने आगे कहा की नगर की जनता और नगर के विकास के लिए कोई कोर कसर नही छोड़ा जाएगा। शाहबाबा अलीगंज प्रथम के सभासद सपना अग्रहरि के प्रतिनिधि आशुतोष डम्पी अग्रहरि ने बताया की वार्ड की समस्याओं को चेयरमैन के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसे गम्भीरता से लेते हुए चेयरमैन रचना सिंह बजट पास करके मजार के नाली और सड़क निर्माण को मंजूरी दी। उक्त मौके पर अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी, अरशद अंसारी, सभासद श्रेयांश गुप्ता, अर्पित जायसवाल, शीम प्रकाश सिम्पू अग्रहरि,गणेश चौहान, मिलन अग्रहरि, अखिलेश यादव, फैजान अहमद,शुभहान, शिव प्रसाद, छेदीलाल वर्मा, धर्मेंद्र यादव, सागर सोनी, सहित दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

एक्सिस बैंक सिगरा एवं नगर निगम वाराणसी ने शुरू किया एकल क्यूआर कोड, काशी की जनता को मिली राहत

प्रखर वाराणसी। नगर निगम वाराणसी काशी वासियों के घरों पर बुधवार को क्यूआर कोड का शुभारंभ किया हैं जिससे भवन स्वामी घर बैठे ऑनलाइन अपने भवन का गृहकर, सीवर कर, जलकर जमा कर सकते हैं तथा इस क्यूआर कोड के जरिए ही डोर टू डोर कूडा कलेक्शन की भी मॉनिटरिंग की जा सकती है` कार्यदायी बैंक के अधिकारियों ने बताया कि क्यूआर कोड की शुरूआत भेलूपुर जोन से शुरू किया जा रहा हैं इस जोन के लगभग 6000 भवनों से शुरू किया जायेगा इसे कमांड सेंटर से जोड़ दिया गया है इस प्रक्रिया में भवन स्वामी जब भी अपना भुक्तान करना चाहेंगे तब वह कोड तत्काल स्कैन करेगा और पेमेंट कर सकते हैं` इस समस्त प्रक्रिया की मानीटरिंग सीधे कमांड सेंटर से की जाएगी मेयर ने कहा कि नागरिकों की सुविधाओं के लिये यह व्यवस्था लागू की गई है`

वाराणसी में लगभग 2.20 लाख भवनों में बारकोड लगाने की कार्रवाई को आगामी दो माह में पूरा कर लिया जाएगा` एक्सिस बैंक के रीजनल हेड श्रीकेश पी ने बताया कि हम अपने कस्टमर को बेहतर सुविधा देते हैं जिससे कस्टमर हमारे ऊपर विश्वास करते हुए अपना प्यार और स्नेह हमें देते हैं जिससे हम अपने आप को और मजबूत महसूस करते हैं उसी कड़ी में आज वाराणसी की जनता को एक और सुविधा प्रदान करते हुए हम लोगों ने नगर निगम में यह क्यूआर कोड लगाया है जिससे शहर की जनता घर बैठे ही ऑनलाइन के माध्यम से अपने हाउस टैक्स, सीवर टैक्स, एवं वॉटर टैक्स को जमा कर सकती है वहीं बैंक के सर्किल हेड मधुदीप राय ने बताया कि पूरे प्रदेश में वाराणसी पहला ऐसा शहर है जहां इस तरह का यूनिक क्यूआर कोड लांच किया गया है जिससे जनता घर बैठे इस क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके 31 सर्विसेज का बेनिफिट लें सकते हैं` इस अवसर पर मुख्य रूप से महापौर अशोक कुमार तिवारी, नगर आयुक्त अक्षत कुमार, एक्सिस बैंक के रीजनल हेड श्रीकेश पी, सर्किल हेड मधुदीप राय, क्लस्टर हेड सी पी सिंह, ब्रांच मैनेजर अरविंद वर्मा, सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खाद्य विभाग के कारवाही 11 पर हुई मिलावट की पुष्टी 1 लाख 45 हजार लगा अर्थदंड

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। न्याय निर्णायक अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवम राजस्व के न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड अधिरोपित जनपद गाजीपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य पदार्थो के नमूनें संग्रहित कर जॉच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0, प्रेषित किये गये थे, जॉच के पश्चात खाद्य पदार्थो में मिलावट की पुष्टि खाद्य विश्लेषक द्वारा की गयी थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट प्राप्त करने के उपरान्त अपर जिलाधिकारी न्याय निर्णायक अधिकारी, गाजीपुर के न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया था, डॉ0 दिनेश कुमार, न्याय निर्णायक अधिकारी (वि0/रा0), गाजीपुर के न्यायालय द्वारा सम्यक विचारोपरान्त 11 वादों पर रू0 145000/- (एक लाख पैंतालिस हजार रुपए मात्र) के अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। अर्थदण्ड समय से जमा न किये जाने पर आर0 सी0 के माध्यम से वसूली की जायेगी। जिसके अनुसार संतोष कुमार गुप्ता पुत्र प्यारेलाल गुप्ता निवासी जे-13/93-14 ए0के0, काटन मिल चौकाघाट, पोस्ट-जैतपुरा जनपद-वाराणसी को मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ स्वीट आफ सेमोलिना (डोडा) विक्रय करने पर रू0 15,000/- अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। पापुलर बेकरी प्रोडक्टस प्रा0लि0 आ0नं0 160/2, 162/2 मढ़ौली परगना देहाल अमानत थाना-मदुआडीह, पोस्ट-भुल्लनपुर जिला-वाराणसी को मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ क्रीम रोल विक्रय करने पर रू0 15,000/- अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। चन्द्र दे व यादव पुत्र सर्वजीत यादव निवासी महेवा पोस्ट-चिफौरा थाना-जमानिया जनपद-गाजीपुर को बिना पंजीकरण प्राप्त कर अधोमानक खाद्य पदार्थ गाय का दूध की विक्रय करने पर रू0 10,000/- अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश स्तरीय बैठक लखनऊ में संपन्न हुआ

प्रखर लखनऊ। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के की बैठक आज 13.3.24 को जवाहरलाल नेहरू हॉल में हुई बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश तिवारी ने किया बैठक में प्रदेश के साथ जनपद व जिला अध्यक्ष सभी प्रदेश पदाअधिकारी गण तथा जागरूक कोटेदार बैठक में उपस्थित थे । प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कोटेदारों के परिवार का भरण पोषण करना नामुमकिन हो गया है। देश में सबसे कम कमिशन हमारे उत्तर प्रदेश का है जो की यह बताता है की प्रदेश सरकार कितना घमंड में है प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि प्रदेश के कोटेदारों के कमीशन के लिए हम हाई कोर्ट जाएंगे बिना कोर्ट गए कुछ भी संभव नहीं है प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी, प्रदेश महासचिव अशोक सिंह, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ,उपाध्यक्ष राघवेन्द्र मणि त्रिपाठी,आनन्द सिंह, मुन्नीलाल गुप्ता ,कोषाध्यक्ष रामनिवास रविन्द्र यादव बैठक में उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के द्वारा राघव राम वर्मा बालिका इंटर कालेज मे किया गया आरओ भेंट

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने में रोटरी क्लब अग्रणी भूमिका निभा रहा है रोटरी इंटरनेशनल के निदेर्शानुसार छात्र-छात्राओं को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध रोटरी क्लब वाराणसी गंगा की तरफ से मंगलवार को राघव राम वर्मा बालिका इंटर कालेज,शिवपुर को एक आरओ भेंट किया गया` मुख्य अतिथि रोटेरियन असिस्टेंट गवर्नर संदीप गुप्ता थे इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को स्वच्छ पेयजल से होने वाले लाभ से भी अवगत कराया` रोटरी क्लब के सदस्यों ने बताया कि क्लब की तरफ से वर्तमान में वाटर सैनिटेशन एंड हाइजीन मंथ मनाया जा रहा हैं इस मौके पर रोटरी क्लब गंगा के अध्यक्ष अशोक अरोड़ा, सेक्रेटरी मनीष चौधरी, असिस्टेंट गवर्नर दीपक अग्रवाल, डॉक्टर अश्वनी टंडन,अरविंद जैन, डॉक्टर शोभनाथ सिंह व संयोजक दिनेश गुप्ता ने छात्रों को आशीर्वचन दिया क्लब के सदस्यों का राघव राम वर्मा बालिका कालेज के प्रबंधक विनोद बागी एवं सुमन वर्मा प्रधानाचार्या ने स्वागत किया व सचिव मनीष चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्वीज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओ ने दिखाई प्रतिभा, हुए पुरस्कृत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के बीआरसी पर बुधवार को बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने तथा उनमें जिज्ञासा उत्पन्न करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अविष्कार कार्यक्रम के तहत क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 250 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बीआरसी मंगारी के मंगारी में आयोजित ब्लॉक स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न उच्च व कम्पोजिट विद्यालय के 250 छात्राओ ने प्रतिभाग किया। जिसमे ज्ञान, विज्ञान व गणित प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रश्नों के आधार पर 10 विजेता छात्र छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमे कंपोजिट विद्यालय रमईपट्टी की आँचल पटेल व नाथपुर के शिवम प्रजापति व पिण्डराई के आकाश वर्मा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए बीईओ विनोद मिश्रा ने कहाकि छात्र व छात्राओ में विज्ञान व प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करने तथा वैज्ञानिक प्रवत्ति को बढ़ावा देने में कारगर साबित होगा। इस दौरान उन्होंने टॉप टेन प्रतिगाभियो को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन एआरपी रामसेवक यादव व धन्यवाद सहायक लिखाकर जितेंद्र सिंह ने दिया। इस दौरान पूर्व बीईओ मंगरु राम, एआरपी अजय सिंह, कमलेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, संजय वर्मा, नोडल शिक्षक अखिलेश मिश्रा, शिवप्रकाश सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, शशिकांत, कमलकांत पुष्कर व राजेश सिंह समेत अनेक शिक्षक रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं